बहुजन हिताय! बहुजन सुखाय!

सक्षम भारत

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक | इन्द्रजीत सिंह, मुख्य संवाददाता/सचिव, CNSI-Delhi

दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश से प्रसारित

www.sakshambharat;net, E-mail : saksham.bharat@hotmail.com

Member : CENTRAL NEWSPAPER SOCIETY OF INDIA DELHI

● वर्ष: 24 ● अंक: 217 ● नई दिल्ली ● सोमवार 15 जून 2026 ● प्रभात कालीन ● मूल्य: 3 रूपया ● पृष्ठ: 4

रिपब्लिकन मजदूर संगठन के सदस्य बनें

E-mail : rmsdp@hotmail.com

अनागरिक गीता भारती भवन

बी-2/370, सुल्तानपुरी

दिल्ली-86

देशबंधु गुप्ता कॉलेज के पास एक रेस्टोरेंट में लगी भीषण आग, दमकलकर्मियों ने पाया काबू

नई दिल्ली। देशबंधु गुप्ता कॉलेज के समीप स्थित एक रेस्तरां जारा बैंक्वेट में आज तड़के भीषण आग लग गई। आग की सूचना मिलते ही दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, हालांकि 10 से 12 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। एसडीएम वेद प्रकाश ने बताया, घटना की जानकारी सुबह 5:15 बजे मिली। यह घटना 4:30 बजे के करीब घटी थी। यहां पर जारा बैंक्वेट नाम का एक रेस्टोरेंट मौजूद है जिसमें आग लगी थी। आग को पूरी तरह से नियंत्रित कर लिया गया है।

भारतीय नाविकों की मौत पर अमेरिका ने नहीं जताया खेद, शशि थरूर भड़के; कहा- यह कैसा असंवेदनशील दोस्त

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ओमान तट पर अमेरिकी नौसेना के हमले में तीन भारतीय चालक दल के सदस्यों की मौत पर अमेरिका के अड़ियल रवैये की कड़ी आलोचना की है। अमेरिका द्वारा इस घटना पर कोई भी खेद या संवेदना व्यक्त न करने पर गहरा सदमा जताते हुए थरूर ने उसे एक असंवेदनशील मित्र करार दिया। क्योंकि रणनीतिक साझेदार होने के बावजूद उसने निर्दोष भारतीयों की मौत पर खेद व्यक्त करने से इनकार कर दिया। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने अमेरिका के इस रुख को पूरी तरह अस्वीकार्य बताया और सवाल उठाया कि नियमों का पालन न करने वाले वाणिज्यिक जहाजों को रोकने के लिए मिसाइल दागने के बजाय गैर-घातक (अहिंसक) साधनों का उपयोग क्यों नहीं किया गया। वह भी ऐसे समय में जब ईरान के साथ चल रहे युद्ध और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की अमेरिकी नाकाबंदी के कारण जोखिमों से भरा हुआ है। उन्होंने पूछा, एक मित्र और रणनीतिक साझेदार इतना असंवेदनशील कैसे हो सकता है? नियमों का पालन न करने वाले वाणिज्यिक पोत को अन्य, अहिंसक साधनों का उपयोग करके क्यों नहीं रोका जा सका? क्या नागरिक चालक दल के सदस्यों को मारने के उद्देश्य से मिसाइल दागे बिना जहाज के प्रणोदन या संचालन को निष्क्रिय करना संभव नहीं है? यह रवैया अस्वीकार्य है।

3 भारतीय क्रू मेंबर की हुई थी मौत

गौरतलब है कि पिछले सप्ताह ओमान तट के पास फ्लाग ध्वज वाले तेल टैंकर सेंट्रेलो पर हुए हमले में 24 भारतीय और चार विदेशी नागरिक सवार थे। इस दौरान ओमान की मदद से 21 भारतीयों को बचा लिया गया, जबकि तीन भारतीय क्रू मेंबर की मौत हो गई। मृतकों की पहचान डेक कैडेट आदित्य शर्मा, इंजन फिटर शिवानंद चौरसिया और मुख्य अभियंता पटनाला सुरेश के रूप में हुई। तीन नागरिकों की मौत के बाद भारत ने तुरंत अमेरिका के साथ राजनयिक विरोध दर्ज कराया। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने अपने समकक्ष मार्को रूबियो से कहा कि इस तरह की घातक कार्रवाई उचित नहीं थी। इसके जवाब में अमेरिका ने एक बयान में कहा कि रूबियो ने इस बात पर जोर दिया है कि अमेरिकी नाकाबंदी का कोई भी उल्लंघन और होर्मुज जलडमरूमध्य के माध्यम से ईरानी तेल का अवैध परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। विदेश विभाग के प्रवक्ता टॉमी पिगोट ने कहा, सचिव ने कहा कि सभी वाणिज्यिक जहाजों को अमेरिकी सेना के आदेशों का तुरंत पालन करना चाहिए, क्योंकि वे जलडमरूमध्य में शांति और सुरक्षा बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं।

निर्मला सीतारमण ने राहुल गांधी पर साधा निशाना, कहा- मोदी विरोध में देश की उपलब्धियों को कमतर आंक रहे

नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री मोदी और केंद्र सरकार का विरोध करने के चक्कर में भारत और यहां के लोगों की उपलब्धियों को नीचा दिखा रहे हैं। सीतारमण बंगलूरू में विकसित भारत संकल्प समावेश कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं। यह कार्यक्रम पीएम मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार के 12 साल पूरे होने के मौके पर आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा, लोकसभा में विपक्ष के नेता जब भी बोलते हैं, तो वे हर चीज की आलोचना करते हैं। उन्हें लगता है कि वे सरकार को निशाना बना रहे हैं, लेकिन असल में वे देश की उपलब्धियों को कम करके आंकते हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि राहुल गांधी कोरोना महामारी और पश्चिम एशिया के युद्ध जैसे बड़े संकटों के दौरान भी भारत की सफलताओं को अनदेखा कर देते हैं। उन्होंने साफ किया कि देश में कोई संकट नहीं आने वाला है, जैसा कि राहुल गांधी दावा कर रहे हैं। राहुल गांधी अक्सर कहते हैं कि अगले कुछ हफ्तों में सब कुछ बिखर जाएगा या कोई बड़ी आपदा आएगी, लेकिन भारत के सामने ऐसी कोई स्थिति नहीं है। सीतारमण ने जोर देकर कहा कि भारत साल दर साल दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बना हुआ है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ सरकार का दावा नहीं है, बल्कि जीडीपी के आंकड़े और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष भी यही कह रहे हैं। उन्होंने पश्चिम एशिया के संकट का उदाहरण देते हुए कहा कि इस कठिन समय में भी प्रधानमंत्री ने देश में ईंधन (तेल) की सप्लाई रुकने नहीं दी। वित्त मंत्री ने समझाया कि पश्चिम एशिया से ईंधन लाना बहुत चुनौतीपूर्ण काम था, लेकिन सरकार ने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। उनके अनुसार, राहुल गांधी का यह कहना गलत है कि देश में सब कुछ खत्म होने वाला है, क्योंकि भारत लगातार तरक्की कर रहा है।

दिल्ली में पत्नी की जान के पीछे पड़ा सनकी पति गिरफ्तार, तीन बार कर चुका था चाकू से जानलेवा हमला

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमला करने वाले एक सनकी और भगोड़े पति को गिरफ्तार किया है। वह अपनी पत्नी की जान का दुश्मन बना हुआ था और उनपर तीन बार चाकू से जानलेवा हमला कर चुका था। यही नहीं, वह चौथी बार भी पत्नी की हत्या की साजिश रच रहा था, लेकिन इससे पहले ही क्राइम ब्रांच ने उसे पत्नी की शिकायत के बाद मुखबिर की सूचना पर दबोच लिया। डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक गिरफ्तार किए आरोपित का नाम साजिद अली है। वह जेने कॉलोनी, सिंदपुर का रहने वाला है। द्वारका कोर्ट ने बीते दो जून को उसे हत्या के प्रयास के मामले में भगोड़ा घोषित कर दिया था। क्राइम ब्रांच ने जांच के बाद उसे लोनी से दबोच लिया। बच्चों की मौत के लिए वह पत्नी को जिम्मेदार मानता था, नशे के लिए पैसे न देने पर वह पत्नी पर जानलेवा हमला करता था। जेल से छूटने के बाद फिर से वह पत्नी को जान से मारने का प्लान बना रहा था। डीसीपी क्राइम ब्रांच अमित शर्मा व एसीपी राजपाल डबास के सुपरविजन में इंस्पेक्टर गौतम मलिक की टीम को सूचना मिली कि आरोपित लोनी के इकराम नगर इलाके में छिपा हुआ है। पुलिस ने लेबर चौक (इकराम नगर) के पास लोगों पर नजर रखनी शुरू कर दी। जैसे ही आरोपित अपने एक साथी से वहां पहुंचा, पुलिस टीम ने उसे पकड़ने की कोशिश की लेकिन उस समय पुलिस को देखते ही वह भागने लगा, लेकिन अलर्ट पुलिसकर्मियों ने पीछा कर उसे दबोच लिया। पूछताछ में पता चला कि साजिद अली (मूल निवासी मुस्तैदाबाद, लोनी) की शादी 2015 में हुई थी। शादी के बाद उनके दो बच्चे हुए, लेकिन दोनों की जन्म के कुछ समय बाद ही मौत हो गई। इस सदमे ने साजिद के दिमाग पर गहरा असर डाला और वह अंधविश्वासी व सनकी हो गया। वह बच्चों की मौत के लिए अपनी पत्नी को ही मनहूस मानकर जिम्मेदार ठहराने लगा। इस बीच उसे शराब और ड्रग्स की लत लग गई। वह नशे के लिए पत्नी से पैसे मांगता था और न देने पर पत्नी को बेरहमी से पीटता था। 2021 में साजिद ने पत्नी को जान से मारने की नीयत से उनपर एक के बाद एक तीन बार चाकू से वार किए। डाबरी थाने में हत्या के प्रयास का मामला दर्ज है। इस मामले में वह जेल भी गया। नवंबर 2024 में जेल से बाहर आने के बाद साजिद का गुस्सा शांत नहीं हुआ। 2025 में उसने फिर से अपनी पत्नी पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया और तब से वह फरार चल रहा था। वह लगातार अपनी लोकेशन बदल रहा था और कोर्ट की सुनवाई से भी गायब था। इसके खिलाफ डाबरी थाने में कई गंभीर मामले दर्ज हैं। बीते दो जून को इसे भगोड़ा अपराधी घोषित कर दिया गया था। क्राइम ब्रांच ने आरोपित को नए कानून के तहत गिरफ्तार कर अदालत में पेश कर जेल भेज दिया। इसकी गिरफ्तारी से दिल्ली पुलिस ने एक महिला की जान बचाई है और संभावित बड़ी वारदात को होने से रोक लिया।

दिल्ली में सफर होगा और आसान,डीटीसी ने शुरू किए तीन नए बस रूट; हजारों यात्रियों को मिलेगा फायदा

नई दिल्ली। दिल्ली परिवहन निगम ने राजधानी की सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए तीन नए बस रूट शुरू कर दिए है. इन नई सेवाओं से तेजी से विकसित हो रहे आवासीय क्षेत्रों के हजारों यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी और मेट्रो व प्रमुख केंद्रों तक पहुंच आसान हो जाएगी. परिवहन मंत्री पंकज सिंह ने बताया कि नए रूटों की शुरुआत और पुराने रूट के विस्तार का फैसला विभिन्न इलाकों की परिवहन जरूरतों का विस्तृत अध्ययन करने के बाद लिया गया है. सरकार का लक्ष्य इन क्षेत्रों को मुख्य परिवहन नेटवर्क से जोड़ना है जहां हाल के वर्षों में आबादी और आवासीय परियोजनाओं का तेज विस्तार हुआ है. डीटीसी ने पायलट प्रोजेक्ट के रूप में रूट 806 शुरू किया है, जो पापरावत गांव को द्वारका मोड़ से जोड़ेगा. इस रूट से पापरावत, नांगली सकरावती, कांकरोला और आसपास के इलाकों के निवासियों को सीधी बस सुविधा उपलब्ध होगी. इन क्षेत्रों में लंबे समय से बेहतर सार्वजनिक परिवहन की मांग की जा रही थी. नया रूट डी-6606 उत्तम नगर टर्मिनल को डीडीए फ्लैट्स बाकरवाला से जोड़ेगा. इस सेवा से बाकरवाला, काकरोला, मटियाला और द्वारका के विभिन्न सेक्टरों में रहने वाले लोगों को बड़ी राहत मिलेगी. तेजी से बढ़ते इन इलाकों में अब यात्रा अधिक सुविधाजनक और समय बचाने वाली होगी. डीटीसी ने मौजूदा रूट आरएल-79 का विस्तार किया है. अब यह रूट नई दिल्ली रेलवे स्टेशन को द्वारका के नए विकसित सेक्टर-23बी और आसपास की कॉलोनियों से सीधे जोड़ेगा. इससे यात्री मेट्रो स्टेशनों, शैक्षणिक संस्थानों और रोजगार केंद्रों तक आसानी से पहुंच सकेंगे. सरकार का मानना है कि बिना मजबूत फर्स्ट और लास्ट माइल कनेक्टिविटी के सार्वजनिक परिवहन को प्रभावी नहीं बनाया जा सकता. इन नए रूटों से निजी वाहनों पर निर्भरता कम होगी, यात्री समय बचेगा और दिल्ली की ट्रैफिक समस्या में भी कुछ हद तक राहत मिलेगी. DTC इन नई सेवाओं के माध्यम से राजधानी के विकासशील क्षेत्रों को मुख्य परिवहन नेटवर्क से बेहतर तरीके से जोड़ने की दिशा में लगातार काम कर रही है.

यमुना तट स्वच्छता अभियान- दिल्ली के 28 घाटों पर चला मेगा क्लीनिंग ड्राइव, मंत्रियों संग सीएम ने किया श्रमदान

नई दिल्ली। यमुना नदी के संरक्षण और जन-जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आज आज दिल्ली सरकार द्वारा एक विशाल स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत राजधानी के 28 प्रमुख यमुना घाटों पर एक साथ सफाई का कार्य किया गया, जिसमें हजारों स्वयंसेवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस महा-अभियान का नेतृत्व खुद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने किया। उन्होंने गीता कॉलोनी के यमुना तट पर पहुंचकर सफाई कार्य में हाथ बंटाया। इस दौरान उन्होंने कहा कि यमुना का स्वच्छ, निर्मल और अविरल स्वरूप तभी लौटेगा जब इसमें जनभागीदारी सुनिश्चित होगी। मुख्यमंत्री के साथ-साथ सरकार के सभी मंत्री, विधायक, पार्टी के नेता और कार्यकर्ता भी स्वयंसेवकों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर श्रमदान करते नजर आए। यमुना तट स्वच्छता अभियान में 500 से अधिक सामाजिक, धार्मिक और शैक्षणिक संगठनों के हजारों स्वयंसेवकों ने महा-श्रमदान किया। इन संगठनों ने न केवल सफाई कार्य में सहयोग दिया, बल्कि नदी संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने इस अवसर पर इस बात पर जोर दिया कि सरकार अपना काम पूरी निष्ठा से करेगी, लेकिन यमुना को स्वच्छ बनाने के लिए नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। उन्होंने कहा कि नदी को साफ रखने के लिए प्लास्टिक और अन्य कचरे को नदी में फेंकने से बचना होगा और जल संरक्षण के प्रति सचेत रहना होगा।

दिल्ली में पुलिसिंग का नया प्लान, अब सड़क पर ज्यादा दिखेंगे अफसर, ट्रैफिक और सुरक्षा पर रहेगा फोकस

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में कानून-व्यवस्था और ट्रैफिक को और बेहतर बनाने के लिए दिल्ली पुलिस ने बड़ा कदम उठाया है. उपराज्यपाल सरदार टी.एस. संधू के निर्देश पर पुलिस कमिश्नर ने सभी जिला और ट्रैफिक पुलिस अधिकारियों के लिए नई गाइडलाइंस जारी की है. इसका मकसद पुलिस की सड़क पर मौजूदगी बढ़ाना, लोगों से सीधा संवाद करना, ट्रैफिक जाम और अतिक्रमण जैसी समस्याओं का मौके पर समाधान करना और राजधानी में सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाना है. नई व्यवस्था के तहत अब जिला पुलिस और ट्रैफिक पुलिस की संयुक्त फुट पेट्रोलिंग हर शनिवार, रविवार और सप्ताह के दो अन्य दिनों में की जाएगी. ये पेट्रोलिंग शाम 5 बजे से रात 8 बजे तक होगी. इस दौरान सीनियर अधिकारियों को फील्ड में रहना अनिवार्य होगा और इसे सिर्फ औपचारिकता नहीं बल्कि महत्वपूर्ण ड्यूटी माना जाएगा. दिल्ली पुलिस के आदेश के मुताबिक शाम 5 बजे से रात 8 बजे के बीच दफ्तर के कामकाज, बैठकों और इन-हाउस मीटिंग्स से बचा जाएगा ताकि अधिकारी पूरी तरह फील्ड ड्यूटी पर ध्यान दे सकें. इस दौरान पुलिस अधिकारी बाजारों, कॉलोनियों और सार्वजनिक स्थानों पर मौजूद रहकर लोगों की समस्याएं सुनेंगे और उनका तुरंत समाधान करने की कोशिश करेंगे. फुट पेट्रोलिंग के दौरान पुलिस अधिकारी रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन, मार्केट ट्रेडर्स एसोसिएशन , व्यापारियों और स्थानीय लोगों से सीधे बातचीत करेंगे. साथ ही सड़कों पर अस्थायी अतिक्रमण हटाने, ट्रैफिक बाधाओं को दूर करने, अवैध पार्किंग के खिलाफ कार्रवाई करने और भीड़भाड़ वाले इलाकों का निरीक्षण करने का काम करेंगे. पुलिस को ये भी निर्देश दिया गया है कि जहां जरूरत हो वहां अन्य सरकारी एजेंसियों और फील्ड स्टाफ के साथ को-ऑर्डिनेशन कर तत्काल कार्रवाई की जाए. हर जिले को साप्ताहिक संयुक्त फुट पेट्रोलिंग प्लान तैयार करना होगा और प्रत्येक पेट्रोलिंग का पूरा रिकॉर्ड भी रखा जाएगा.

तुगलकाबाद एक्सटेंशन अग्निकांड में बड़ा खुलासा! हादसा नहीं साजिश के तहत लगाई गई थी आग

नई दिल्ली । दिल्ली के तुगलकाबाद एक्सटेंशन में शनिवार (12 जून) की देर रात हुए भीषण अग्निकांड की जांच में बड़ा खुलासा हुआ है. पुलिस जांच में सामने आया है कि यह हादसा नहीं बल्कि सुनियोजित साजिश के तहत लगाई गई आग थी. पुलिस के मुताबिक, 12 जून की रात करीब 2:24 बजे आरजेड-171/1, गली नंबर-1, टीकेडी एक्सटेंशन की इमारत में आग लग गई थी. आग ने ग्राउंड फ्लोर से लेकर पांचवीं मंजिल तक पूरी बिल्डिंग को अपनी चपेट में ले लिया. हादसे में 8 लोग झुलस गए थे, जिन्हें एम्स ट्रॉमा सेंटर और सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया. इलाज के दौरान पंकज पांडेय, सुशीला देवी और सोनिया कुमारी की मौत हो गई. शुरुआत में पुलिस ने लापरवाही से मौत और आग से जुड़े प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी. जांच के दौरान सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए, जिनमें एक महिला आग लगने से कुछ समय पहले बिल्डिंग में प्रवेश करती दिखाई दी. इसके बाद पुलिस को शक हुआ कि आग जानबूझकर लगाई गई है.

जमीन नहीं फिर भी बेच दिए प्लॉट, करोड़ों की ठगी करने वाला शातिर आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली । दिल्ली पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने रियल एस्टेट घोटाले में सालों से फरार चल रहे घोषित अपराधी शिव नंदन सिंह यादव को गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी साल 2019 से कानून की गिरफ्त से बचता फिर रहा था और वर्ष 2023 में अदालत ने उसे घोषित अपराधी करार दिया था. दिल्ली पुलिस की जांच के मुताबिक, आरोपियों ने ग्लोब रियल्टी प्राइवेट लिमिटेड के जरिए साल 2013 में हरियाणा के ग्रेटर फरीदाबाद के तिलोरी खादर गांव में कृष्ण कुंज टाउनशिप नाम से आवासीय परियोजना लॉन्च की थी. लोगों को आधुनिक सुविधाओं से लैस विकसित कॉलोनी का सपना दिखाया गया और आकर्षक विज्ञापनों के जरिए निवेश के लिए प्रेरित किया गया. कंपनी ने करीब 10.26 एकड़ भूमि पर 496 रिहायशी प्लॉट विकसित करने का दावा किया था, लेकिन जांच में सामने आया कि परियोजना के लिए आवश्यक वैध और पर्याप्त जमीन कंपनी के पास थी ही नहीं. इसके बावजूद लोगों से प्लॉट बुकिंग के नाम पर बड़ी रकम वसूली जाती रही. दिल्ली पुलिस के मुताबिक, कंपनी और उसके निदेशकों ने निवेशकों को झूठे आश्वासन देकर उनकी मेहनत की कमाई हासिल की. करोड़ों रुपये जुटाने के बाद न तो प्लॉट सौंपे गए और न ही परियोजना को पूरा किया गया. इससे बड़ी संख्या में निवेशकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा

विद्या बाल भवन पब्लिक स्कूल में श्रीमद्भागवत कथा का भव्य शुभारंभ, श्रद्धालुओं में उत्साह

नई दिल्ली। (इंद्रजीत सिंह) पूर्वी दिल्ली के शकरपुर स्थित विद्या बाल भवन पब्लिक स्कूल में समस्त शर्मा परिवार के सहयोग से आयोजित श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के साथ हुआ। यह भव्य धार्मिक आयोजन 13 जून से 20 जून 2026 तक विद्यालय परिसर, एम.बी.-92, मास्टर ब्लॉक, शकरपुर, दिल्ली-92 में आयोजित किया जा रहा है। कथा प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7-30 बजे तक चलेगी।

कथा के प्रथम दिवस पर प्रातः 9 बजे भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लेकर धर्म और संस्कृति के प्रति अपनी आस्था व्यक्त की। इसके उपरांत व्यास पीठ से प्रसिद्ध कथा व्यास पंडित ओम प्रकाश शास्त्री जी ने श्रीमद्भागवत महापुराण की महिमा का गुणगान करते हुए श्रद्धालुओं को धर्म, भक्ति, सदाचार एवं मानव कल्याण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि श्रीमद्भागवत कथा केवल धार्मिक ग्रंथ का श्रवण नहीं, बल्कि जीवन को सकारात्मक दिशा देने वाली आध्यात्मिक साधना है।

इस अवसर पर विद्यालय के चेयरमैन डॉ. हरि दत्त शर्मा, प्रख्यात दंत चिकित्सक डॉ. कपिल शर्मा तथा वरिष्ठ कांग्रेस नेता प्रवीण शर्मा ने पंडित ओम प्रकाश शास्त्री जी का पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्र भेंट कर भव्य स्वागत किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. हरि दत्त शर्मा ने कहा कि ÷श्रीमद्भागवत पुराण भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा की अमूल्य धरोहर है। ऐसे आयोजन नई पीढ़ी को नैतिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। शिक्षा के साथ संस्कारों का संवर्धन भी हमारी प्राथमिकता है।÷

डॉ. कपिल शर्मा ने कहा कि ÷श्रीमद्भागवत कथा जीवन में सकारात्मक ऊर्जा, आत्मिक शांति और मानवीय मूल्यों का संचार करती है। वर्तमान समय में ऐसे धार्मिक आयोजनों की आवश्यकता और भी अधिक बढ़ गई है। कथा श्रवण से व्यक्ति के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आता है तथा समाज में प्रेम, सद्भाव और संस्कारों का विस्तार होता है।÷

वहीं प्रवीण शर्मा ने कहा कि ÷श्रीमद्भागवत पुराण हमें सत्य, सेवा, करुणा और मानवता का मार्ग दिखाता है। ऐसे आयोजन समाज में एकता, सद्भाव और आध्यात्मिक चेतना को सुदृढ़ करने का कार्य करते है।÷

कथा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं, अभिभावकों, शिक्षकों एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने भाग लेकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया। पूरे विद्यालय परिसर में भक्तिमय वातावरण बना रहा। आयोजन समिति के अनुसार कथा के आगामी दिनों में भी विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। आयोजकों ने सभी श्रद्धालुओं से सपरिवार उपस्थित होकर श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का श्रवण करने का आग्रह किया है। कथा की पूर्णाहुति एवं विशाल भंडारे का आयोजन 20 जून 2026 को किया जाएगा। श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। क्षेत्र के धर्मप्रेमी लोगों में इस भव्य आयोजन को लेकर विशेष उत्साह और श्रद्धा का वातावरण देखने को मिल रहा है।

सम्पादकीय...

राष्ट्रीय शर्म

ओमान की खाड़ी और होर्मुज जलडमरूमध्य में अमेरिकी केंद्रीय कमान द्वारा तीन वाणिज्यिक जहाजों—MT Settebello, MT Mariveka, और MT Jalveer—पर किए गए भीषण हमलों ने वैश्विक राजनीति में भारत के कद और उसकी सुरक्षा चिंताओं की पोल खोल दी है। इस बर्बर सैन्य कार्रवाई में तीन भारतीय नाविकों—चीफ इंजीनियर पटनाला सुरेश, डेक कैडेट आदित्य शर्मा और इंजन फिटर शिवानंद चौरसिया—की दर्दनाक मौत हो गई। एक उभरती हुई महाशक्ति, विश्वगुरु और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की कगार पर खड़े देश के लिए अपने ही नागरिकों की रक्षा न कर पाना और 'मित्र' देश की इस खुली आक्रामकता पर दबी जुबान में बात करना कूटनीतिक और रणनीतिक रूप से अत्यंत शर्मनाक है। यह घटनाक्रम विशेष रूप से भारत के लिए विरोधाभासी और अपमानजनक है क्योंकि अमेरिका क्वाड गुट में भारत का सबसे प्रमुख रणनीतिक सहयोगी होने का दम भरता है। जो देश हिंद-प्रशांत क्षेत्र में स्वतंत्र और खुले समुद्र और अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानूनों की दुहाई देते नहीं थकता, उसी के द्वारा समुद्री मार्गों पर की गई अंधाधुंध सैन्य कार्रवाई में भारतीय नाविकों को निशाना बनाया गया। इस मुद्दे पर देश के जाने-माने भू-रणनीतिज्ञ और रक्षा विशेषज्ञ डॉ. ब्रह्मा चेलानी के तीखे बयानों ने भारत की तथाकथित रणनीतिक स्वायत्तता की कलई खोलकर रख दी है। डॉ. चेलानी ने सीधे शब्दों में रेखांकित किया है कि यह हमला अमेरिका के उस दोहरे रवैये को उजागर करता है, जहाँ वह रणनीतिक साझेदारी के नाम पर भारत को केवल मूर्ख बना रहा है। उनका स्पष्ट मानना है कि वाशिंगटन कभी भी चीन या रूस के नागरिकों या उनके हितों वाले जहाजों पर इस तरह का सीधा और जानलेवा हमला करने की हिम्मत नहीं करता। अमेरिका अच्छी तरह जानता है कि बीजिंग या मॉस्को इसके बदले में किस स्तर की सैन्य, परमाणु या आर्थिक जवाबी कार्रवाई कर सकते हैं। चूंकि भारत हर बड़े संकट पर दब्बू कूटनीति और केवल औपचारिक विरोध दर्ज कराने तक सीमित रहता है, इसलिए अमेरिका बिना किसी परिणाम के डर के भारतीय चालक दल वाले जहाजों पर मिसाइलें दाग देता है। वैश्विक स्तर पर भारत के इस कूटनीतिक आत्मसमर्पण की तुलना अगर पश्चिमी देशों से की जाए, तो एक बड़ा कड़वा सच सामने आता है। जैसा कि ब्रह्मा चेलानी ने अपने विश्लेषण में कहा है- अगर इस हमले में तीन अमेरिकी मर्चेंट नेवी के नाविक मारे गए होते, तो संयुक्त राज्य अमेरिका की चौबीसों घंटे का राजनीतिक संकट खड़ा हो जाता। लेकिन यहाँ अमेरिकी हमले में तीन भारतीयों की मौत पर पूरी दुनिया में कोई सुगबुगाहट तक नहीं है। यहाँ तक कि भारत के शीर्ष नेतृत्व ने भी इस कहर हमले पर अब तक कोई कड़ा सार्वजनिक बयान नहीं दिया है, और पूरी ज़िम्मेदारी विदेश मंत्रालय के एक रूटीन औपचारिक कूटनीतिक विरोध और अमेरिकी राजनयिक को तलब करने की औपचारिकता पर छोड़ दी गई है। चेलानी 1999 में बेलग्रेड में चीनी दूतावास पर हुए अमेरिकी हमले का उदाहरण देते हैं कि कैसे चीन अपने नागरिकों की मौत को एक अंतरराष्ट्रीय संकट में बदल देता है, जबकि भारत सरकार अपने ही नागरिकों की मौत के महत्व को कम करके आंकने का प्रयास कर रही है ताकि अमेरिका के साथ उसके मधुर संबंध खराब न हों। यह घटना अमेरिका की वैश्विक थानेदार वाली उसी दंभपूर्ण और साम्राज्यवादी मानसिकता को दर्शाती है, जिसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों की कोई परवाह नहीं है। संयुक्त राज्य अमेरिका अपनी भौगोलिक सीमाओं से 12,000 किलोमीटर दूर मध्य-पूर्व और ओमान के समुद्र तट पर जाकर अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र को अपनी निजी जागीर समझने की भूल कर रहा है। सवाल यह उठता है कि संप्रभु राष्ट्रों के समुद्री क्षेत्रों और अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक मार्गों पर इस तरह की एकतरफा सैन्य नाकेबंदी और मर्चेंट नेवी के निहत्थे जहाजों पर जानलेवा हमले करने का कानूनी या नैतिक अधिकार अमेरिका को आखिर किसने दिया? बिना किसी अंतरराष्ट्रीय जनादेश के किया गया यह हमला सीधे तौर पर वैश्विक संप्रभुता का खुला उल्लंघन है। अमेरिका की यह गुंडागर्दी दर्शाती है कि वह आज भी खुद को हर कानून से ऊपर समझता है। वैश्विक व्यापार और ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में भारतीय नाविकों की रीढ़ की हड्डी के समान भूमिका है। होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे तनावपूर्ण इलाकों में हजारों भारतीय नाविक अपनी जान जोखिम में डालकर काम कर रहे हैं। यह घटनाक्रम इसलिए भी शर्मनाक है क्योंकि अमेरिकी नौसेना ने भारत के समुद्री पड़ोस को ही युद्ध क्षेत्र में बदल दिया है, जिससे हमारे अपने ही प्रभाव क्षेत्र में भारत की संप्रभुता और धाक पर सवाल खड़े हो गए हैं। जब अमेरिकी प्रतिबंधों और नाकेबंदी (ब्लाकेड्स) की बात आती है, तो अमेरिका भारतीय नागरिकों को महज कोलेटरल डैमेज यानी युद्ध की अनिवार्य क्षति मानकर उड़ा देता है। विदेशी सेनाओं द्वारा वाणिज्यिक जहाजों पर सीधी गोलीबारी की इस घटना पर भारत का यह मौन यह संदेश देता है कि अंतरराष्ट्रीय भू-राजनीति के दबाव के आगे भारतीय जीवन और राष्ट्रीय सम्मान की कीमत बेहद सस्ती है। एक उभरती हुई महाशक्ति के लिए इससे ज्यादा आत्मघाती और क्या हो सकता है कि उसके परम-मित्र होने का दावा करने वाला देश उसके नागरिकों को मार गिराए और भारत सरकार केवल कागजी विरोध की औपचारिकता पूरी कर ले। सांत्वना, वित्तीय मुआवजा या अमेरिकी प्रशासन का एक हल्का सा खेद जताना इस कूटनीतिक विफलता को नहीं छुपा सकता। जैसा कि ब्रह्मा चेलानी और अन्य रणनीतिक विश्लेषकों की चेतावनियों से साफ है—यदि भारत अब भी खुलकर अमेरिका की इस साम्राज्यवादी गुंडागर्दी के खिलाफ सख्त और दंडात्मक कदम नहीं उठाता, तो यह मान लिया जाएगा कि भारत की रणनीतिक स्वायत्तता केवल भाषणों, चुनावी रैलियों और कागजों तक ही सीमित है। भारत को यह सुनिश्चित करना होगा कि भविष्य में किसी भी देश की सैन्य कार्रवाई में भारतीय नागरिकों का खून न बहाया जाए, अन्यथा वैश्विक मंच पर भारत का महाशक्ति बनने का दावा महज एक कूटनीतिक मजाक बनकर रह जाएगा।

असली तृणमूल का सवाल

प. बंगाल के विधानसभा चुनावों में पूर्व मुख्यमंत्री सुश्री ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के बुरी तरह हारने के बाद जिस तरह उनकी पार्टी तिनके-तिनके होकर बिखर रही है वह स्वतंत्र भारत के राजनीतिक इतिहास की अभूतपूर्व घटना है। बेशक ममता दीदी ने ही 1998 में कांग्रेस से अलग होकर अपनी पार्टी को तिनका-तिनका जोड़ कर और सड़कों पर संघर्ष करते हुए खड़ा किया था परन्तु 2020 के आते-आते जिस तरह उन्होंने अपने राजनीतिक उत्तराधिकार का चयन वंशवाद व परिवार वाद की छाया के तहत किया उससे उनके द्वारा सड़कों पर किये गये संघर्ष पर पानी फिरता गया और उनके चारों तरफ ऐसे राजनीतिक लोगों की भीड़ बढ़ती रही जो उनके भतीजे अभिषेक बनर्जी की कार्यशैली और हुक्मबरदारी के भीतरखाने विरोध की ज्वाला पाल रहे थे। ममता दी ने पूरी पार्टी की लोकतान्त्रिक गतिविधियों को अभिषेक बनर्जी की मनमानी के आगे जिस तरह गिरवी रखा उसी का परिणाम है कि चुनावी हार के बाद कल तक उनके वफादार कहे जाने वाले लोग अब बागी हो गये हैं और स्थिति यहां तक पहुंच गई है कि इस बागी गुट के लोग अब खुद को ही असली तृणमूल कांग्रेस पार्टी बता रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस ने प. बंगाल में वामपंथी दलों के 34 वर्ष के लम्बे शासनकाल को जब उखाड़ कर फेंका तो उसके पीछे ममता दीदी का वह लम्बा संघर्ष था जो उन्होंने 1998 से पहले अपनी मूल पार्टी कांग्रेस में रहते हुए भी किया था। अतः जैसे जैसे ममता दी बंगाल में मजबूत होती गईं वैसे-वैसे ही कांग्रेस पार्टी और कमजोर होती गई और इसके नेताओं के लिए भी उनकी पार्टी शरण स्थल बनती चली गई लेकिन ममता दी जब 2011 में पहली बार सत्तारूढ़ हुईं तो वह कांग्रेस के सहयोग से ही हुई थीं। अतः बंगाल में वामपंथी शासन तन्त्र की जमीन पर फैली हुई जुल्म व जबर्दस्ती करने वाली प्रणाली ने तृणमूल का आवरण ओढ़ लिया और उनका काम पहले के तरीके के समान ही चलता रहा। हालांकि इसके बाद भी ममता दी की पार्टी ने 2016 व 2021 के विधानसभा चुनाव जीते मगर इसी वर्ष से ममता दी ने अपनी राजनीतिक विरासत अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी को परिवर्तित करनी शुरू की जिससे उनके वफादार लोगों में भीतर ही भीतर रोष उत्पन्न होता रहा जो चुनाव हारते ही फूट पड़ा। दरअसल क्षेत्रीय दल जिस तरह एक नेता को जनता का हीरो बनाकर उसकी व्यक्ति पूजा में संलग्न होकर पूरी राजनीतिक पार्टी को ही खानदानी दुकान में बदल देते हैं उसमें निष्ठावान पार्टी कार्यकर्ताओं व नेताओं के लिए कोई जगह नहीं बचती है और जनता की सेवा के नाम पर वे अपने परिवार के लोगों की सेवा ही करते रहते हैं। अतः आज जो कुछ प. बंगाल की राजनीति में हो रहा है उसके चलते अभिषेक बनर्जी ही सबके कोपभाजन का शिकार हो रहे हैं। अपने आप में इसे अजूबा ही कहा जायेगा कि विगत 4 मई को विधानसभा चुनाव हारने के बाद तृणमूल कांग्रेस के चुने हुए 80 विधायकों में से 60 विधायकों ने अपना अलग गुट बना लिया और विधानसभा अध्यक्ष से उन्हें अलग मान्यता देने की मांग की और विपक्ष के नेता पद पर भी अपना दावा ठोका। अध्यक्ष ने उनकी इस मांग को स्वीकार कर लिया है क्योंकि दल-बदल विरोधी कानून कहता है कि यदि किसी दल के दो-तिहाई विधायक या सांसद टूट कर सम्बन्धित सदनों में अपना अलग गुट बनाते हैं और अपनी मूल पार्टी से खुद को असम्बद्ध घोषित करते हैं तो उन्हें ऐसा करने का अधिकार है। हमने पूर्व में देखा है कि किस प्रकार महाराष्ट्र में शिवसेना व राष्ट्रवादी कांग्रेस के दो भाग हुए और अन्त में चुनाव आयोग ने टूट कर अलग हुए गुटों को ही असली पार्टी माना। हालांकि इस सन्दर्भ में यह भी नियम है कि टूट कर अलग हुए गुट को किसी दूसरी पार्टी में विलयित भी हो जाना चाहिए। परन्तु इस बारे में मुकदमा सर्वोच्च न्यायालय में लम्बित है और अन्तिम निर्णय अभी तक नहीं आया है। अतः ममता दी की पार्टी में राष्ट्रीय स्तर पर जिस तरह लोकसभा में उनकी पार्टी के कुल 28 सांसदों में से 19 ने बगावत का झण्डा बुलन्द करके लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला से सोमवार को मिलने का समय मांगा है उससे पूरी पार्टी का ममता दी के हाथ से निकलना तय माना जा रहा है। इन 19 सांसदों में वह लोकसभा सदस्य सायोनी घोष भी शामिल हैं जिन्हें तृणमूल की राजनीति में छोटी ममता के रूप में निरूपित किया जा रहा था क्योंकि वह निजी जीवन शैली से लेकर सार्वजनिक प्रदर्शनों तक में ममता दी का अनुकरण करती थीं। इसके साथ ही तृणमूल के राज्यसभा सांसद जिस तरह एक-एक करके सदन व पार्टी की सदस्यता त्याग रहे हैं उससे भी आभास होता है कि ममता दी के लोकप्रिय होने का खुमार अब तेजी से उतर रहा है और उनसे बागी हुए गुट के नेता खुद के ही असली तृणमूल होने को बेताब हैं। इसीलिए नई दिल्ली में ऐसी चर्चाएं चल रही हैं कि अपना राजनीतिक अस्तित्व बचाने के लिए वह कांग्रेस पार्टी में अपनी बची-खुची पार्टी का विलय कर सकती हैं क्योंकि ऐसी खबरें हैं कि आगामी सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष से मिलकर तृणमूल के बागी 19 सांसद मांग करेंगे कि उनके ही गुट को लोकसभा में असली तृणमूल माना जाये। इन्होंने यह भी घोषणा कर दी है कि उनकी तृणमूल पार्टी एनडीए सरकार का समर्थन करेगी।

तृणमूल कांग्रेस ने प. बंगाल में वामपंथी दलों के 34 वर्ष के लम्बे शासनकाल को जब उखाड़ कर फेंका तो उसके पीछे ममता दीदी का वह लम्बा संघर्ष था जो उन्होंने 1998 से पहले अपनी मूल पार्टी कांग्रेस में रहते हुए भी किया था। अतः जैसे जैसे ममता दी बंगाल में मजबूत होती गईं वैसे-वैसे ही कांग्रेस पार्टी और कमजोर होती गई और इसके नेताओं के लिए भी उनकी पार्टी शरण स्थल बनती चली गई लेकिन ममता दी जब 2011 में पहली बार सत्तारूढ़ हुईं तो वह कांग्रेस के सहयोग से ही हुई थीं।

विवाद खत्म

ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही मोदी सरकार को पूर्वोत्तर से एक बड़ी रणनीतिक सफलता मिली है। केंद्र, असम और नगालैंड के बीच तेल और प्राकृतिक गैस अन्वेषण को लेकर हुआ त्रिपक्षीय समझौता भारत को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के अभियान का निर्णायक अध्याय है। दशकों से विवाद और अस्थिरता में फंसे असम, नगालैंड सीमा क्षेत्र में तेल खोज का रास्ता खोलकर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस मिशन को नई ताकत दे दी है, जिसका लक्ष्य विदेशी तेल निर्भरता घटाकर भारत को ऊर्जा महाशक्ति बनाना है। यही वजह है कि अमित शाह ने इसे विकसित पूर्वोत्तर और आत्मनिर्भर भारत की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया है। हम आपको बता दें कि केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह की मौजूदगी में भारत सरकार, असम सरकार और नगालैंड सरकार के बीच असम-नगालैंड सीमावर्ती क्षेत्रों में खनिज तेल संचालन के संबंध में एक त्रिपक्षीय समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर केन्द्रीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी, असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा और नगालैंड के मुख्यमंत्री नेफ्यू रियो सहित केंद्र, असम एवं नगालैंड सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। अमित शाह ने इसे ऐतिहासिक क्षण बताते हुए साफ कहा कि इस समझौते ने विकसित पूर्वोत्तर के रास्ते में खड़ी अंतिम बड़ी बाधा हटा दी है। हम आपको बता दें कि असम और नगालैंड की सीमा से लगे विवादित क्षेत्र में तीन दशक से अधिक समय से तेल और खनिज अन्वेषण ठप पड़ा था। अधिकार क्षेत्र को लेकर दोनों राज्यों के बीच तनाव बना रहता था, जिसके कारण हजारों करोड़ रुपये की संपदा जमीन के नीचे दबी रह गई। अब इस समझौते के तहत एक हजार वर्ग किलोमीटर से अधिक क्षेत्र में तेल, गैस और खनिज संसाधनों की खोज और उत्पादन का रास्ता खुल गया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि दोनों राज्यों ने संसाधनों के बंटवारे पर 50-50 की सहमति बनाई है। यही वह राजनीतिक परिपक्वता है जिसने इस समझौते को टकराव से निकालकर साझेदारी के मॉडल में बदल दिया। अमित शाह ने दावा किया कि इस एक समझौते से प्रतिदिन एक हजार से पंद्रह सौ बैरल तेल उत्पादन क्षमता को दस गुना तक बढ़ाया जा सकता है। केवल एक तेल क्षेत्र से पंद्रह हजार करोड़ रुपये से अधिक की संभावित प्राप्ति का अनुमान जताया गया है। यह बयान केवल आर्थिक संभावना का संकेत नहीं, बल्कि उस रणनीतिक दिशा का संकेत है जिसमें भारत तेजी से आगे बढ़ना चाहता है। वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव, पश्चिम एशिया में अस्थिरता और ऊर्जा आपूर्ति संकटों के दौर में भारत लंबे समय से आयातित तेल पर निर्भरता घटाने की कोशिश कर रहा है। ऐसे समय में पूर्वोत्तर के विशाल तेल और गैस भंडार भारत के लिए नई ऊर्जा रीढ़ साबित हो सकते हैं। दरअसल यह समझौता केवल तेल निकालने का मसला नहीं है। यह पूर्वोत्तर को संघर्ष की पहचान से निकालकर सामरिक और आर्थिक शक्ति केंद्र में बदलने की कवायद है। अमित शाह ने कहा कि यदि नगालैंड में फैले तेल और गैस भंडार का पूरा दोहन हुआ तो भारत विदेशी देशों पर अपनी ऊर्जा निर्भरता काफी हद तक कम कर सकेगा। इसका सीधा मतलब है कि भारत अपने ऊर्जा हितों को लेकर अधिक स्वतंत्र रणनीति अपना सकेगा।

एलआईसी के पैसे को ऐसे डुबोया जा रहा है!

राहुल गांधी केंद्र की भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लगातार तानाशाही और फासीवाद के आरोप लगाते रहते हैं लेकिन उनके अपने चहेते मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा है कि वे हिटलर से प्रेरणा लेते हैं। हैरानी की बात है कि कोई भी व्यक्ति हिटलर से कैसे प्रेरणा ले सकता है? ज्ञात इतिहास में इंसानियत के सबसे बड़े दुश्मनों में हिटलर का नाम आता है। उसके पूरे शासन में कुछ भी अच्छा नहीं था। इसीलिए आज जर्मनी में हिटलर का नाम लेना तक गुनाह माना जाता है। लेकिन लोकतांत्रिक भारत में एक मुख्यमंत्री को हिटलर से प्रेरणा मिलती है! रेवंत रेड्डी ने हिटलर के हाइड्रा प्रोजेक्ट का जिक्र किया, जिसका काम मनमाने तरीके से निर्दोष लोगों की हत्या करना था। उस हाइड्रा के नाम पर उन्होंने हैदराबाद के वाटर प्रोजेक्ट का नाम रखा है।

भारतीय जीवन बीमा निगम यानी एलआईसी देश की बड़ी सरकारी कंपनियों में से एक है। इसके पास देश के करोड़ों लोगों का पैसा है। लोग अपना पेट काट कर बीमा कराते हैं, लेकिन एलआईसी को संदिग्ध कंपनियों में पैसा लगाने के लिए बाध्य किया जा रहा है। ये खबरें दबे-छिपे ढंग से पहले भी आती थीं कि सरकार सार्वजनिक उपक्रमों जैसे एलआईसी आदि के पैसे से शेयर बाजार को नियंत्रित करती है। लेकिन एक के बाद एक ऐसी खबरें अब सामने आने भी लगी हैं। ताजा खबर है कि एलआईसी ने राजेश एक्सपोर्ट में 10.8 फीसदी यानी करीब 11 फीसदी शेयर खरीदे हैं। पिछले 10 साल में इस कंपनी में एलआईसी का निवेश पांच गुना बढ़ा है। दूसरी ओर एक रिपोर्ट बताती है कि इस 10 साल की अवधि में म्युचुअल फंड कंपनियों ने राजेश एक्सपोर्ट में लगभग जीरो पैसा लगाया है। यानी जो कंपनियां पेशेवर लोगों की सलाह से काम करती है, उन्होंने राजेश एक्सपोर्ट में पैसा नहीं लगाया पर एलआईसी का निवेश पांच गुना हो गया। अब घोटाला खुला है कि गुजरात के रहने वाले राजेश मेहता की इस कंपनी ने 15 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा की गड़बड़ी की है। जिस दिन यह खबर आई उस दिन राजेश एक्सपोर्ट का शेयर पांच फीसदी और एलआईसी का शेयर एक फीसदी गिरा। गौरतलब है कि इससे पहले ऐसे ही एलआईसी ने लगातार अडानी की कंपनी में अपना निवेश बढ़ाया था। हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट आने के बाद उसके शेयरों में बड़ी गिरावट हुई और इसका खामियाजा एलआईसी के करोड़ों बीमाधारकों और निवेशकों को उठाना पड़ा था।

बहुत खराब समय का संकेत है यह

पश्चिम बंगाल में सरकार बदलने के बाद वह सब हो रहा है जो लोकतंत्र में कतई नहीं होता है। पिछले हफ्ते नौ जून को ममता बनर्जी दिल्ली में थीं। उनके भतीजे और तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी भी दिल्ली में थे। पश्चिम बंगाल की पुलिस, प्रशासन को यह बात मालूम थी। फिर भी नौ जून को दिन में सीआईडी की टीम हरीश चंद्र मुखर्जी लेन में स्थित ममता बनर्जी के पैतृक आवास पर पहुंच गई। पहले तो ममता के परिवार के लोगों और पार्टी के कार्यकर्ताओं ने रोका लेकिन जब बड़ी संख्या में पुलिस बुला ली गई तो वे नहीं रोक पाए। अब सवाल है कि ममता बनर्जी के आवास और उससे लगे पार्टी के केंद्रीय कार्यालय में सीआईडी की टीम क्या खोजने गई थी? बताया गया कि मामला विधायकों के जाली दस्तखत का है।

शुभ्रत बनर्जी और संदीपन साहा ने आरोप लगाया है कि शोभनदेव चट्टोपाध्याय को नेता विपक्ष चुने जाने के जिस प्रस्ताव की कॉपी स्पीकर को दी गई है उस पर उनके दस्तखत जाली हैं। अगर ऐसा है तो सीआईडी दोनों के असली दस्तखत लेकर हैंडराइटिंग एक्सपर्ट से दस्तखत का मिलान कर ले और आगे की कार्रवाई करे। लेकिन ऐसा करने के बजाय पुलिस ममता के घर और केंद्रीय कार्यालय पर छापा मारने गई। वहां पुलिस को क्या मिलेगा? क्या वहां जाली दस्तखत कराने की कोई रिकॉर्डिंग रखी गई होगी? जाहिर है पुलिस कुछ और खोजने गई थी। विपक्ष के नेताओं के यहां कोई भी आधार बना कर इस तरह की तलाशी बहुत खराब समय का संकेत है।

इंडियन एक्सप्रेस' में नीतीश के लेख' की हकीकत

नेताओं के नाम से लेख छपना कोई नई बात नहीं है लेकिन इन दिनों यह चलन थोड़ा ज्यादा बढ़ गया है। एकाध अपवाद को छोड़ दें तो नेताओं के नाम से लिखे गए लेख उनकी पार्टी की नीतियों के प्रचार के लिए होते हैं या फिर वे अपने बड़े नेता को खुश करने के लिए लिखवाते हैं। कुछ ही नेता ऐसे होते हैं जो अपना लेख खुद ही लिखते हैं। बहरहाल नरेंद्र मोदी के बतौर प्रधानमंत्री 12 साल पूरे करने पर भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के नाम से भी अखबारों में लेख छपा है। लेकिन अंग्रेजी के अखबार इंडियन एक्सप्रेस' में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नाम से लेख छपा है, जिसमें नरेंद्र मोदी के शासन और उनकी राजनीति की भूरि-भूरि प्रशंसा की गई है। हकीकत यह है कि नीतीश कुमार की मानसिक अवस्था ऐसी नहीं है कि वे साधारण सूचना को भी प्रोसेस कर सकें। उनके करीबी लोग बताते हैं कि दो दिन के बाद भी कोई मिलने जा रहा है तो नीतीश कुमार को उसकी शक्ल और उसका नाम याद नहीं रह रहा है। यह बात इंडियन एक्सप्रेस' के पटना के ब्यूरो चीफ से लेकर नई दिल्ली में प्रधान संपादक तक को मालूम है। फिर भी नीतीश कुमार का लेख छपा। नीतीश के जिस भी करीबी नेता ने उस लेख को पढ़ा होगा तो पता नहीं क्या सोचा होगा लेकिन इंडियन एक्सप्रेस' की क्या साख रही, जिसने यह जानते हुए लेख छापा कि इसे नीतीश कुमार ने नहीं लिखा है!

बिहार के एक मंत्री का अनोखा रिकॉर्ड

बिहार सरकार के मंत्री दीपक प्रकाश के नाम एक अनोखा रिकॉर्ड दर्ज हो गया है। वे दो बार मंत्री बने और दोनों बार किसी सदन के सदस्य नहीं बन सके। बिहार विधानसभा चुनाव के बाद नवंबर 2025 में एनडीए की सरकार के गठन के समय राष्ट्रीय लोक मोर्चा के प्रमुख उपेंद्र कुशवाहा ने सबको चौंकाते हुए अपने बेटे को मंत्री बनवा दिया था, जो उस समय किसी सदन के सदस्य नहीं थे। तब कहा गया था कि मंगल पांडेय विधानसभा का चुनाव जीत गए हैं तो वे विधान परिषद की सीट खाली करेंगे और उस सीट पर दीपक प्रकाश को भेजा जाएगा। हालांकि भाजपा ने अपने कोटे की यह सीट राष्ट्रीय लोक मोर्चा के लिए नहीं छोड़ी। इस बीच राज्य में सत्ता परिवर्तन हुआ। नीतीश कुमार ने 14 अप्रैल को इस्तीफा दिया। उसी दिन उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों का इस्तीफा हो गया। सात मई को जब सम्राट चौधरी के मंत्रिमंडल का गठन हुआ तो फिर दीपक प्रकाश को मंत्री बना दिया गया। इस बार कहा गया कि विधानसभा सदस्यों द्वारा नौ विधान पार्षद चुने जाने हैं उनमें से एक सीट दीपक प्रकाश को मिलेगी। लेकिन उन नौ उम्मीदवारों में भी दीपक प्रकाश को जगह नहीं मिली। हालांकि अब भी वे सात नवंबर तक मंत्री रह सकते हैं। लेकिन उस समय तक कोई वैकेंसी नहीं आने वाली है इसलिए उनको इस्तीफा देना होगा। उनके अनोखे रिकॉर्ड का मामला सुप्रीम कोर्ट में भी पहुंचा है।

हिटलर से प्रेरणा लेते हैं रेवंत रेड्डी!

राहुल गांधी केंद्र की भाजपा सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर लगातार तानाशाही और फासीवाद के आरोप लगाते रहते हैं लेकिन उनके अपने चहेते मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कहा है कि वे हिटलर से प्रेरणा लेते हैं। हैरानी की बात है कि कोई भी व्यक्ति हिटलर से कैसे प्रेरणा ले सकता है? ज्ञात इतिहास में इंसानियत के सबसे बड़े दुश्मनों में हिटलर का नाम आता है। उसके पूरे शासन में कुछ भी अच्छा नहीं था। इसीलिए आज जर्मनी में हिटलर का नाम लेना तक गुनाह माना जाता है। लेकिन लोकतांत्रिक भारत में एक मुख्यमंत्री को हिटलर से प्रेरणा मिलती है! रेवंत रेड्डी ने हिटलर के हाइड्रा प्रोजेक्ट का जिक्र किया, जिसका काम मनमाने तरीके से निर्दोष लोगों की हत्या करना था। उस हाइड्रा के नाम पर उन्होंने हैदराबाद के वाटर प्रोजेक्ट का नाम रखा है। गौरतलब है कि रेवंत रेड्डी पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के छात्र संगठन अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद से जुड़े रहे हैं। हालांकि संघ भी सार्वजनिक रूप से हिटलर, मुसोलिनी का जिक्र नहीं करता है। कहा जाता है कि हिंदू महासभा के नेता बीएस मुंजे ने इटली में मुसोलिनी के संगठन का अध्ययन किया था और संघ के संस्थापक हेडगेवार को इसके बारे में बताया था। मुंजे हेडगेवार के गुरू थे। संघ की विचारधारा पर उसका कुछ असर है भी लेकिन कोई सार्वजनिक रूप से हिटलर और मुसोलिनी से प्रेरित होने की बात नहीं करता है।

क्या शक्तिकांत बनेंगे वित्त मंत्री?

मोदी सरकार 3-0 ने अपने कार्यकाल के रिकार्ड 2 वर्ष पूरे कर लिए हैं, अब एक बार फिर से कयासों के बाजार गर्म हैं कि आने वाले कुछ दिनों में या संसद के मानसून सत्र के आसपास मोदी मंत्रिमंडल को किंचित नया चेहरा-मोहरा मिल सकता है। सियासी नेपथ्य की आहटों पर अगर कान धरा जाए तो मंत्रिमंडल में दो बड़े बदलावों की सुगबुगाहट है, एक तो रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास का नाम बतौर अगला वित्त मंत्री चल रहा है। मौजूदा वित्त मंत्री को बदलने के पीछे यह सोच हो सकती है कि आज देश की मौजूदा आर्थिक नीति को कई नई चुनौतियों से जूझना पड़ रहा है, मिडिल ईस्ट संकट, बढ़ती महंगाई जैसे मुद्दों से आने वाले सात राज्यों के चुनाव प्रभावित हो सकते हैं, चुनांचे सरकार को दिखावे के लिए ही सही अपने आर्थिक बदलाव का चेहरा-मोहरा बदलने की जरूरत है। सूत्र यह भी बताते हैं कि फिलहाल शक्तिकांत दास अपनी इस नई भूमिका के लिए उत्साह नहीं दिखा रहे हैं पर माना जाता है कि उन्हें मनाने की तैयारी भी चल रही है। इसके अलावा देश के मानव संसाधन मंत्री धर्मेंद्र प्रधान यूजीसी, नीट पेपर लीक और सीबीएसई परीक्षाओं में कथित गड़बड़ी के चलते विपक्ष और युवा पीढ़ी खास कर 'जेनजी' के निशाने पर हैं, तो मुमकिन है कि उन्हें सरकार से हटा कर पार्टी संगठन में कोई महती भूमिका दी जाए। इस पद पर विनोद तावड़े के नाम को लेकर चर्चा जोरों पर है, जो फिलहाल भाजपा महासचिव के तौर पर पार्टी को अपनी सेवाएं दे रहे हैं। इसके अलावा भी कई और मंत्रियों की उनके रिपोर्ट कार्ड के आधार पर छुट्टी हो सकती है। कई मंत्री पहले ही अपनी कुर्सी से बेदखल किए जा चुके हैं, जैसे रवनीत सिंह बिट्टू जो पंजाब से हैं, तथा केरल से आने वाले जार्ज कूरियन, इन्हें पार्टी ने इस दफे राज्यसभा नहीं दी है, सो इन दोनों की मोदी मंत्रिमंडल से छुट्टी तय मानी जा रही है। बिट्टू को भाजपा ने पंजाब से विधानसभा चुनाव लड़ने की तैयारी करने को कहा है। वहीं मोदी सरकार के दो राज्य मंत्रियों पंकज चौधरी को यूपी की और हर्ष मल्होत्रा को दिल्ली प्रदेश भाजपा की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पर इतना तो तय है कि मोदी मंत्रिमंडल के अगले फेरबदल में आने वाले सात राज्यों के चुनावों के गणित व उनके सियासी समीकरणों पर भी नजर रखी जाएगी और इन चुनावी राज्यों से ज्यादा सांसदों को मंत्री बनने का मौका मिल सकता है।

क्या तय समय से पहले होंगे यूपी-पंजाब के चुनाव

बंगाल में क्लीन स्वीप करने और ममता की पार्टी का सूपड़ा साफ करने के बाद अब भाजपा के हौसले बम-बम हैं। पार्टी नेताओं के एक वर्ग की राय है कि कम से कम यूपी व पंजाब के विधानसभा चुनाव समय से पूर्व करा लिए जाएं। इसके लिए पार्टी नेताओं का यही वर्ग इसी साल का नवंबर माह सुझा रहा है, जबकि कायदे से यूपी के 403 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव फरवरी-मार्च 2027 में होने हैं। पंजाब के भी सभी 117 विधानसभा सीटों पर फरवरी 2027 में ही चुनाव होने हैं। इस वक्त यूपी में पंचायत चुनावों की तैयारियां जोरों पर हैं। ग्राम प्रधानों का कार्यकाल भी पिछले माह 26 मई को खत्म हो चुका है, उनकी जगह प्रशासकों की नियुक्ति की गई है। रही बात वोटर लिस्ट की तो गहन पुनरीक्षण में 2.0 करोड़ मतदाताओं के नाम काटे जा चुके हैं। भाजपा ने अपने प्रदेश संगठन को पहले ही चुनाव के लिए कमर कसने को कह दिया है, प्रदेश के नए अध्यक्ष पंकज चौधरी की नियुक्ति भी इसी बात को ध्यान में रख कर की गई है, पर्दे के पीछे से सुनील बंसल भी यहां पहले से ही सक्रिय हो चुके हैं। अखिलेश अगस्त माह से अपना राज्यव्यापी रथ यात्रा निकालने की तैयारी में हैं सो, भाजपा का इरादा समय पूर्व चुनाव करा अखिलेश की रथयात्रा को पंचर करने का है। जैसा कि भाजपा के एक बड़े नेता ऑफ द रिकार्ड बताते हैं कि 'इस वक्त भाजपा का मोरल ग्राउंड इतना हाई है कि यूपी की छोटी-मोटी रिजनल पार्टियां अभी हम से मोलभाव की स्थिति में नहीं हैं, हम उन्हें जितनी भी और जहां की सीटें देंगे, वे मान जाएंगे।' सूत्रों की मानें तो अभी केजरीवाल ने भी अपने एक कोर ग्रुप की बैठक में अपने चुनावी रणनीतिकारों से कहा कि पंजाब में समय से पूर्व यानी नवंबर में ही चुनाव हो सकते हैं, इसके लिए उन्होंने अपनी पार्टी से अभी से तैयार रहने को कहा है। वहीं भाजपा के केंद्रीय नेताओं का एक वर्ग ऐसा भी है जो यूपी-पंजाब में समय पूर्व चुनाव के पक्ष में नहीं है, इनकी दलील है कि अभी देश का माहौल भाजपा के इतने उपयुक्त नहीं, युवा वर्ग जहां बेरोजगारी की मार झेल रहा है, आर्थिक अशांति से महंगाई बेलगाम बढ़ रही है, इससे मोटे तौर पर जनता खुश नहीं है। सो, नवंबर का चुनाव भाजपा को भारी भी पड़ सकता है। वहीं अगर चुनाव फरवरी-मार्च में होते हैं तब तक रबी की नई फसल कट चुकी होगी, खास कर किसानों की जेब में कुछ पैसा होगा और तब वे थोड़े खुश भी होंगे और आर्थिक अस्थिरता के मौजूदा मुद्दे भी तब तक शांत हो चुके होंगे। सूत्रों का कहना है कि समय पूर्व चुनाव की आहटों को टटोलने के लिए भाजपा यूपी-पंजाब में अभी एक गुप्त जनमत सर्वेक्षण करवाने जा रही है, जनता जनार्दन की राय को सर्वोपरि रखते हो भाजपा हाईकमान किसी निर्णय पर पहुंच सकता है।

जयंत को क्यों सस्ते में निपटाना चाहती है भाजपा

चौधरी चरण सिंह की विरासत से अपना राजनैतिक स्वांग रचने वाले जयंत चौधरी संतोषी स्वभाव के नेताओं में गिने जाते हैं। जब से वे भगवा आंगन में हिलोरें मार रहे हैं उनकी मोल-भाव की प्रवृत्ति पर भी एक तरह से अंकुश लग गया है। मोदी सरकार में भले ही वे स्वतंत्र प्रभार वाले राज्यमंत्री हों पर उनके मंत्रालय के पास अब भी हर वक्त फंड का रोना मचा रहता है। इस दफे के 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने जयंत को मात्र दो सीट देकर ही निपटा दिया था। अभी पिछले दिनों जयंत यूपी के आने वाले चुनाव में सीटों के बंटवारे को लेकर पीयूष गोयल से मिलने पहुंचे थे, फिर पीयूष गोयल ने उनकी मुलाकात भाजपा के एक बड़े नेता से तय करवा दी। याद रहे कि जयंत और भाजपा के बीच के संपर्क सूत्र पीयूष गोयल ही हैं। कहते हैं जब जयंत बड़े नेता के पास पहुंचे तो उन्हें भाजपा के इस कद्दावर नेता ने समझाया कि चूंकि आपको लोकसभा की सिर्फ दो सीटें दी गई थीं, इस नाते आपका दावा मात्र 10 सीटों का ही बनता है। पर हम आपको 15-17 सीटें दे सकते हैं। वहीं जयंत की मांग 30 सीटों की है। जब 2022 का विधानसभा चुनाव वे अखिलेश की सपा के साथ गठबंधन में लड़े थे, तब अखिलेश ने उन्हें 33 सीटें दी थीं, जिसमें जयंत के उम्मीदवार मात्र 8 सीटों पर ही विजयी रहे थे। कहते हैं भाजपा के इस बड़े नेता ने जयंत को समझाया कि 'इस बार यूपी में एनडीए के लिए एक-एक सीट महत्वपूर्ण है, सो हम सिर्फ जीत सकने वाले उम्मीदवारों पर ही दांव लगाना चाहेंगे।' इसके साथ ही जयंत को यह भी स्पष्ट कर दिया गया कि उनके कोटे में आवंटित सीटों में कम से कम तीन सीट मुस्लिम बहुल इलाके की होंगी, और उनके कोटे की कुछ सीटों पर भाजपा 'निशान तुम्हारा, उम्मीदवार हमारा' की रणनीति पर अपने जीत सकने वाले उम्मीदवार उतारेगी। कहते हैं जयंत इस प्रस्ताव से पूरी तरह सहमति तो नहीं रखते पर उनके पास करने के लिए कुछ खास बचा भी नहीं। कहते हैं मीटिंग से लौट कर जयंत जब पीयूष गोयल के पास आए तो गोयल ने उन्हें समझाना चाहा कि भाजपा उनके हितों का पूरा ध्यान रखेगी। उनकी कोशिश होगी केंद्रीय मंत्रिमंडल के अगले फेरबदल में उन्हें इससे बेहतर मंत्रालय मिल सके। जयंत भगवा भरोसे के समक्ष नतमस्तक होकर फिलहाल अपने अच्छे समय के इंतजार में हैं।

क्या मनप्रीत बादल की घर वापसी होगी?

शिरोमणि अकाली दल प्रमुख सुखबीर सिंह बादल के चचेरे भाई और पंजाब के पूर्व वित्त मंत्री मनप्रीत सिंह बादल अपनी घर वापसी के लिए बेकरार हैं। वहीं कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व की ओर से भी उनको इशारा मिला है कि अगर वे कांग्रेस में वापिस लौटना चाहते हैं तो उनका स्वागत है। याद रहे कि मनप्रीत पहले अकाली दल से कांग्रेस में गए थे, फिर 2022 में उन्होंने कांग्रेस को भी अलविदा कह भाजपा का दामन थाम लिया था।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक विजय कुमार भाटी ने वन्दना ऑफसेट प्रिंटर्स, ए-9, साउथ पैन्टमेंस एक्स. दिल्ली-33, से मुद्रित कर कार्यालय, बी-2/370, सुल्तानपुरी, दिल्ली-86 से प्रकाशित किया संपादक : विजय कुमार भाटी, मो. : 09582093548 समाचार पत्र में प्रकाशित सामग्री से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं विवादास्पद केवल दिल्ली कोर्ट में होंगे। (DELHIN/[illegible])

हिंदी साहित्य सम्मान का नाम बदलना साहित्यिक विरासत पर आघात-साहित्यकारों, पत्रकारों और चिंतकों में रोष

नई दिल्ली। (साहिल गौड़) सरकार द्वारा हिंदी साहित्य के प्रतिष्ठित सम्मान का नाम बदलकर 'वीर सावरकर साहित्य सम्मान' किए जाने के निर्णय को लेकर साहित्यिक, सांस्कृतिक और बौद्धिक जगत में तीखी प्रतिक्रिया सामने आ रही है। अनेक साहित्यकारों, वरिष्ठ पत्रकारों और सामाजिक चिंतकों ने इस कदम को हिंदी साहित्य की समृद्ध परंपरा और उसकी स्वतंत्र पहचान पर आघात बताया है।

वरिष्ठ पत्रकार उमेश जोशी ने इस निर्णय की कड़ी आलोचना करते हुए कहा, ÷यह सम्मान की असीम गरिमा को सीमित दायरे में समेटने जैसा है। साहित्य और संस्कृति के नाम पर राजनीतिक विचारधारा थोपी जा रही है। साहित्यिक संस्थाओं और सम्मानों की गरिमा को राजनीतिक विचारधाराओं की भेंट चढ़ाया जा रहा है।÷

राष्ट्रीय विचारक एवं वरिष्ठ पत्रकार विजय शंकर चतुर्वेदी ने कहा, ÷साहित्य किसी सत्ता, दल या विचारधारा की जागीर नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना और सांस्कृतिक आत्मा का जीवंत दस्तावेज होता है। साहित्यिक सम्मानों की पहचान बदलना केवल नाम परिवर्तन नहीं, बल्कि उस विरासत और परंपरा को कमजोर करने का प्रयास है जिसे पीढ़ियों के साहित्यकारों ने अपने श्रम, चिंतन और सृजन से निर्मित किया है। इतिहास को सम्मान दीजिए, लेकिन साहित्य को राजनीति का अखाड़ा मत बनाइए।÷

चतुर्वेदी ने आगे कहा कि ÷जब सरकारें साहित्यिक संस्थाओं की स्वायत्तता और ऐतिहासिक पहचान में हस्तक्षेप करती हैं, तब यह केवल एक प्रशासनिक निर्णय नहीं रह जाता, बल्कि सांस्कृतिक विमर्श और बौद्धिक स्वतंत्रता का विषय बन जाता है।÷

गांधीवादी नेता रमेश चंद्र शर्मा ने कहा कि साहित्य समाज को जोड़ने और मानवीय मूल्यों को मजबूत करने का माध्यम है। उन्होंने इस निर्णय को सांस्कृतिक विरासत के साथ अन्याय बताते हुए कहा कि साहित्यिक पुरस्कारों की ऐतिहासिक पहचान को समाप्त करना उचित नहीं है।

महान चिंतक एवं विचारक बी.आर. चौहान ने भी इस फैसले की कड़ी निंदा करते हुए कहा, ÷साहित्य समाज की आत्मा है। इसे राजनीतिक आग्रहों और वैचारिक प्रतिस्पर्धाओं का माध्यम बनाना लोकतांत्रिक मूल्यों और बौद्धिक स्वतंत्रता के लिए गंभीर चुनौती है।÷

साहित्यिक और सांस्कृतिक जगत के अनेक प्रतिनिधियों ने इस निर्णय को ÷सांस्कृतिक विरासत पर प्रहार÷, ÷साहित्य के राजनीतिकरण का प्रयास÷ और ÷बौद्धिक स्वतंत्रता के लिए खतरा÷ बताते हुए सरकार से पुनर्विचार की मांग की है। उनका कहना है कि साहित्य समाज को जोड़ने का कार्य करता है और उससे जुड़े निर्णय व्यापक संवाद, संवेदनशीलता और सहमति के आधार पर लिए जाने चाहिए।

भारत अब दुनिया को समाधान दे रहा

फ्रांस में भारत इनोवेट्स 2026 कार्यक्रम में बोले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नीस। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फ्रांस के नीस शहर में फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात की। फ्रांसीसी राष्ट्रपति मैक्रों ने गले मिल कर पीएम मोदी का स्वागत किया। पीएम मोदी और राष्ट्रपति मैक्रों ने भारत इनोवेट्स कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में भारत, फ्रांस और अन्य देशों के प्रमुख इनोवेशन स्टार्टअप और वेंचर कैपिटल फंड एक साथ आएंगे।

मोदी फांस में राष्ट्रपति मैक्रों से मिले- पीएम ने कहा- दोनों देश एक सोच से आगे बढ़ रहे; मैक्रों बोले- भारत इनोवेशन का देश

वैश्विक चुनौतियों के समाधान खोजने का प्रयास- पीएम मोदी

फ्रांस के प्रधानमंत्री इमैनुएल मैक्रों के साथ 'भारत इनोवेट्स' के लॉन्च कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि दुनिया में अलग-अलग देश एक दूसरे के साथ व्यापार करते हैं और अलग-अलग देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी भी होती है लेकिन कुछ रिश्ते ऐसे होते हैं जो साझा रुचि के साथ-साथ साझा विजन से भी प्रेरित होते हैं। उन्होंने कहा कि भारत और फ्रांस का रिश्ता कुछ ऐसा ही है। इस रिश्ते में जुड़ाव, दृढ़ विश्वास, नवाचार, प्रेरणा, साझा मूल्य, साझा विजन भी है और इसी रिश्ते की नींव पर बीते वर्षों में हमने साथ मिलकर नई पहल शुरू की है और वैश्विक चुनौतियों के समाधान खोजने का प्रयास किया है।

मित्र इमैनुएल मैक्रों का धन्यवाद- पीएम मोदी

पीएम मोदी ने कहा कि हम दोनों देश हमेशा एक साथ चले हैं। आज हमें खुशी है कि हम 'भारत इनोवेट्स' की शुरुआत भी फ्रांस के साथ कर रहे हैं। मैं अपने मित्र इमैनुएल मैक्रों का यहां आने के लिए धन्यवाद देता हूं।

भारत का नौजवान मानवता के हित में समस्याओं के समाधान ढूंढ रहा

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि इस रिवॉल्यूशन में भारत का नौजवान एक नए माइंड सेट के साथ मानवता के हित में समस्याओं के समाधान ढूंढ रहा है। भारत इनोवेट्स हमारे नौजवानों के विश्व-स्तरीय समाधान को ग्लोबल स्टेज पर लाने का ही माध्यम ही है। आज मैं गर्व से कह सकता हूं कि ये पहल उसी दिशा में एक कदम है।

भारत में एक स्टार्टअप रिवॉल्यूशन हो रहा है- पीएम मोदी

'भारत इनोवेट्स' का ये मंच- भारत के टैलेंट और यूरोपियन कैपिटल के बीच एक ब्रिज बन रहा है। एक ऐसा प्लेटफॉर्म्स जहां भारत के यंग माइंड्स को यूरोपियन एक्सपर्टीज से जुड़ने का अवसर मिल रहा है। आज 21वीं सदी का भारत बदलाव के एक बहुत बड़े दौर से गुजर रहा है। आज भारत में एक स्टार्टअप रिवॉल्यूशन हो रहा है।

अमेरिका में क्रैश हुआ विमान, हादसे में 12 की मौत; स्काईडाइविंग के लिए ले जा रहा था यात्री

मिसौरी । अमेरिका के मिसौरी राज्य में स्काइडाइविंग के लिए यात्रियों को ले जा रहा एक विमान रविवार को दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस विमान पर सवार सभी 12 लोगों की मौत हो गई। मिसौरी स्टेट हाईवे पेट्रोल ने एक बयान में कहा कि उसके जवान घटनास्थल पर मौजूद हैं और बटलर पुलिस विभाग तथा बेट्स काउंटी शेरिफ कार्यालय की सहायता कर रहे हैं। दुर्घटना बटलर मेमोरियल एयरपोर्ट के निकट हुई। बटलर शहर कैन्सास सिटी से लगभग 65 मील दक्षिण में स्थित है। मिसौरी हाईवे पेट्रोल के सार्जेंट जस्टिन इविंग ने बताया कि विमान स्काइडाइविंग के लिए लोगों को ऊपर ले जा रहा था। रविवार सुबह करीब 11:30 बजे आपातकालीन सेवाओं को सूचना मिली कि एक विमान दुर्घटनाग्रस्त होकर आग की लपटों में घिर गया है। इविंग ने कहा कि दुर्घटना के कुछ ही समय बाद वहत एवं बचाव दल ने आग पर काबू पा लिया, लेकिन उन्होंने घटनास्थल को बेहद भयावह बताया। उन्होंने कहा, विमान हवाई अड्डे से सटे एक खेत में गिरा था, लेकिन एहतियात के तौर पर सड़क को भी बंद किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दुर्घटना की जांच नेशनल ट्रांसपोर्टेशन सेफ्टी बोर्ड (एनटीएसबी) करेगा।

दुर्घटनाग्रस्त विमान पैसिफिक एयरोस्पेस 750एक्सएल मॉडल का था। यह एकल इंजन वाला टर्बोप्रॉप विमान है, जिसका उपयोग स्काइडाइविंग के लिए व्यापक रूप से किया जाता है। इसके अलावा इसका इस्तेमाल माल ढुलाई, हवाई सर्वेक्षण और मेडिकल इवैक्यूएशन उड़ानों में भी किया जाता है। यह विमान एक बार में 17 स्काइडाइवर्स को ले जाने में सक्षम है और छोटी रनवे से भी उड़ान भर सकता है तथा उतर सकता है। संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) के रिकॉर्ड के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त विमान का निर्माण वर्ष 2010 में हुआ था। इविंग ने बताया कि यह छोटा हवाई अड्डा करीब 30 विमानों को सेवा देता है। इनमें सभी निजी स्वामित्व वाले विमान हैं।

सरकार जरूरतमंदों के साथ, हर समस्या का होगा निदान, योगी ने जनता दर्शन में सुनी 200 फरियादियों की समस्याएं

गोरखपुर ।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को कहा कि सरकार जरूरतमंदों के साथ है और हर उचित समस्या का समाधान करेगी। योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर परिसर स्थित दिग्विजय नाथ स्मृति भवन के बाहर जनता दर्शन में प्रदेश के विभिन्न जिलों से अपनी पीड़ा लेकर पहुंचे 200 फरियादियों से यह बात कही। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री ने एक-एक कर सभी की समस्या सुनी और उचित निस्तारण के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों को मामलों के निस्तारण का निर्देश दिया और कहा कि सभी समस्याओं का निस्तारण निष्पक्ष और समयसीमा के भीतर होना चाहिए। जनता दर्शन में पुलिस व राजस्व संबंधी शिकायतों पर योगी ने सख्त रुख अपनाया। उन्होंने जिलाधिकारी को निर्देश दिया कि राजस्व संबंधी शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर लापरवाही मिलने पर कड़ी कार्रवाई होनी चाहिए।

किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे लोगों से मुख्यमंत्री ने कहा, आप परिजनों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। इलाज की चिंता सरकार पर छोड़ दें, सरकार इलाज में मदद करेगी। जरूरतमंद लोगों का आयुष्मान कार्ड बनवाया जाएगा और लोगों को विवेकाधीन कोष से भी सहायता दिलाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को हर जरूरतमंद, पात्र व्यक्ति का आयुष्मान कार्ड बनवाने का निर्देश दिया।

भारतीय नाविकों की मौत पर राहुल गांधी ने उठाए सवाल, कहा- कोई भी संप्रभु देश ऐसी भाषा नहीं सह सकता

नई दिल्ली ।

ओमान तट के पास अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में भारतीय नाविकों की मौत और होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका के हालिया बयानों पर कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तीखा हमला बोला है। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि अमेरिका की ओर से भारत को कड़े संदेश दिए जाने के बावजूद प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी संप्रभु देश को ऐसी भाषा स्वीकार नहीं करनी चाहिए। राहुल गांधी की यह प्रतिक्रिया ऐसे समय आई है जब अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के बीच बातचीत के बाद अमेरिका ने होर्मुज क्षेत्र में अपने निर्देशों का पालन करने पर जोर दिया है।

राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर क्या आरोप लगाए?

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर हिंदी में पोस्ट कर कहा कि अमेरिकी हमलों में तीन भारतीय नाविकों की मौत के कुछ दिन बाद भी न तो खेद व्यक्त किया गया और न ही माफी मांगी गई। उन्होंने आरोप लगाया कि इसके उलट अमेरिका भारत को निर्देश दे रहा है। राहुल गांधी ने कहा कि एक संप्रभु राष्ट्र ऐसी भाषा कभी स्वीकार नहीं करेगा, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी चुप हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री को समझौता कर चुके प्रधानमंत्री बताते हुए कहा कि वे एक आज्ञाकारी सेवक की तरह आदेश सुनते हैं और उनका पालन करते हैं। राहुल गांधी ने यह भी दावा किया कि ऐसा नेतृत्व देश के सम्मान की रक्षा नहीं कर सकता।

अमेरिका और भारत के बीच विवाद की वजह क्या है?

यह विवाद उस समय और बढ़ गया जब अमेरिका ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य में उसकी नाकेबंदी का उल्लंघन और ईरानी तेल का अवैध परिवहन बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बातचीत में यह बात कही। इससे पहले जयशंकर ने ओमान तट के पास अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में भारतीय नागरिकों की मौत पर कड़ा विरोध दर्ज कराया था। भारत ने नई दिल्ली में अमेरिकी कार्यवाहक राजदूत जेम्स मीक्स को भी तलब कर स्पष्ट किया कि भारतीय चालक दल वाले वाणिज्यिक जहाजों पर घातक हमले स्वीकार्य नहीं हैं। इस पूरे घटनाक्रम ने दोनों देशों के बीच कूटनीतिक चर्चा को तेज कर दिया है।

ओमान और होर्मुज से जुड़ा मामला क्यों चर्चा में है?

राहुल गांधी ने ओमान के दुकम बंदरगाह पर खड़े एक जहाज में मृत भारतीय नागरिक निशांत उर्वनाधन के मामले को भी उठाया। उन्होंने केंद्र सरकार से पार्थिव शरीर को जल्द भारत लाने की मांग की। दूसरी ओर होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर अमेरिका और ईरान के बीच आरोप-प्रत्यारोप भी जारी हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ईरान पर भारतीय जहाजों को निशाना बनाने के लिए ड्रोन हमले करने का आरोप लगाया, जबकि ईरान ने इन आरोपों को पूरी तरह खारिज कर दिया। होर्मुज क्षेत्र में जारी तनाव और समुद्री यातायात में व्यवधान के कारण भारतीय नाविकों और व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं लगातार बढ़ रही हैं। ऐसे में यह मुद्दा अब घरेलू राजनीति के साथ-साथ विदेश नीति और राष्ट्रीय सुरक्षा की बहस का भी केंद्र बन गया है।

सिंचाई विवाद को लेकर बीजेपी नेता की पीट-पीटकर हत्या, इलाके में तनाव; बेकाबू भीड़ ने किया पथराव

देहरादून । देहरादून के बैरागीकाला गांव में हुई झड़प में भारतीय जनता पार्टी के 44 वर्षीय स्थानीय पदाधिकारी की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई जबकि उसके परिवार के तीन सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

काकोली गुट का दावा- सांसदों की संख्या 22 पहुंची, बोलीं- आज स्पीकर से करेंगे अलग गुट की मांग

कोलकाता । तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) की बागी सांसद काकोली घोष दस्तीदार ने दावा किया है कि लोकसभा में उनके नेतृत्व वाले बागी गुट की संख्या बढ़कर 22 सांसदों तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि दो और सांसद जल्द ही इस गुट में शामिल होने वाले हैं। बागी सांसद सोमवार को लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला से मुलाकात कर अलग संसदीय गुट के रूप में मान्यता की मांग करेंगे। नई दिल्ली रवाना होने से पहले कोलकाता एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत में काकोली घोष दस्तीदार ने कहा, हमारी संख्या अब 22 हो गई है। स्पीकर ने हमें समय दिया है। सोमवार को हम उनसे मिलकर अलग संसदीय गुट के तौर पर मान्यता की मांग करेंगे। हालांकि उन्होंने उन दो अतिरिक्त सांसदों के नामों का खुलासा नहीं किया, लेकिन कहा कि उनके औपचारिक रूप से गुट में शामिल होने के बाद ही नाम सार्वजनिक किए जाएंगे।

ये हल्का-फुल्का मामला नहीं, दोषियों की छुट्टी करो- राम मंदिर दान विवाद पर बोले विनय कटियार

नई दिल्ली । राम मंदिर ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन और दान राशि विवाद को लेकर देश में राजनीति गरमा गई है। इसे लेकर भारतीय जनता पार्टी के फायरब्रांड नेता और बजरंग दल के संस्थापक विनय कटियार ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बिना नाम लिए कहा कि ये जितने इस समय हैं ये सब चोर हैं। इनकी छुट्टी करो। इन लोगों का रामजन्मभूमि आंदोलन से क्या लेना देना इन सबने कब्जा कर लिया है हम लोगों ने बलिदान दिया। स्व० कल्याण सिंह साध्वी उमा भारती और मैं स्वयं आंदोलन में जेल गया। हम इन लोगों की छुट्टी कर देंगे। आप को बता दें कि राम मंदिर ट्रस्ट के वित्तीय प्रबंधन और दान राशि से संबंधित आरोपों की जांच के लिए शनिवार को तीन सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन कर दिया गया है। अधिकारियों ने बताया योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर एसआईटी गठित की गई है। यह दल तीर्थ क्षेत्र में दान-पात्रों के संबंध लगाए जा रहे आरोपों की जांच कर सरकार को अपनी रिपोर्ट देगा। एसआईटी में भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी तथा लखनऊ के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत, भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) अधिकारी व पुलिस महानिरीक्षक किरन एस. और वित्त विभाग के विशेष सचिव नील रतन शामिल हैं। बयान में कहा गया कि अयोध्या स्थित तीर्थ क्षेत्र में दान-पात्रों को लेकर सोशल मीडिया पर फैल रही अफवाहों को गंभीरता से लेते हुए श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने मामले की निष्पक्ष जांच के लिए इसकी गहन जांच आवश्यक है। यह तीर्थ क्षेत्र की छवि और करोड़ों श्रद्धालुओं की आस्था को चोट पहुंचाने की गहरी साजिश है, जिसका पर्दाफाश होना बेहद जरूरी है।

स्वर्गीय राधारमण जी की पुण्यतिथि पर दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में भावपूर्ण श्रद्धांजलि सभा आयोजित

नई दिल्ली। (ए. के. चौधरी) दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय में आज दिल्ली कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष एवं दिल्ली के पूर्व मुख्य कार्यकारी पार्षद स्वर्गीय श्री राधारमण जी की पुण्यतिथि पर एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कांग्रेस नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा उनके योगदान को याद किया।

श्रद्धांजलि सभा में स्वर्गीय राधारमण जी के पौत्र श्री प्रभात रमण, वरिष्ठ कांग्रेस नेता डॉ. नरेंद्र नाथ, जगजीवन शर्मा, ह्वजी जरीफ़, दीपक भारद्वाज, प्रमोद जयंत, अनुज आत्रेय सहित बड़ी संख्या में कांग्रेसजन उपस्थित रहे। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय राधारमण जी ने अपना संपूर्ण जीवन जनता की सेवा, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा और कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने के लिए समर्पित कर दिया। दिल्ली के विकास और जनहित के मुद्दों पर उनका योगदान सदैव याद किया जाएगा। उनका व्यक्तित्व सादगी, ईमानदारी और जनसेवा की भावना का प्रतीक था। डॉ. नरेंद्र नाथ ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा, ÷स्वर्गीय राधारमण जी का जीवन जनसेवा, सादगी और समर्पण का अद्भुत उदाहरण था। उन्होंने दिल्ली के विकास और कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाने में जो योगदान दिया, वह सदैव स्मरणीय रहेगा। उनके आदर्श और विचार आज भी हम सभी कांग्रेसजनों को जनहित के लिए कार्य करने की प्रेरणा देते हैं।÷ वहीं श्री प्रभात रमण ने कहा, ÷मेरे दादाजी स्वर्गीय राधारमण जी ने हमेशा जनता की सेवा को ही अपना धर्म माना। उन्होंने अपने राजनीतिक जीवन में ईमानदारी, पारदर्शिता और जनकल्याण के मूल्यों को सर्वोच्च स्थान दिया। आज उनकी पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए हम सभी उनके दिखाए मार्ग पर चलने और समाज की सेवा के प्रति समर्पित रहने का संकल्प लेते हैं।÷ श्रद्धांजलि सभा में उपस्थित नेताओं ने कहा कि स्वर्गीय राधारमण जी का सार्वजनिक जीवन आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए निरंतर कार्य किया और कांग्रेस की विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके सिद्धांत, कार्यशैली और जनसेवा का दृष्टिकोण आज भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए मार्गदर्शक हैं। कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित लोगों ने दो मिनट का मौन रखकर स्वर्गीय राधारमण जी को श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया। उनकी स्मृतियां और जनसेवा के प्रति उनका समर्पण सदैव कांग्रेस परिवार और दिल्ली की जनता के हृदय में जीवित रहेगा।

निचलौल को मिलेगी मजबूत पेयजल व्यवस्था

डेढ़ करोड़ की लागत से बनेंगे चार नए पंप हाउस

हर घर तक पहुंचेगा शुद्ध जल, पाइपलाइन विस्तार से अंतिम छोर के परिवारों को भी मिलेगा लाभ

निचलौल।

नगर पंचायत में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ और आधुनिक बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल की गई है। नगरवासियों को निर्बाध, स्वच्छ एवं शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पंचायत प्रशासन ने करीब डेढ़ करोड़ रुपये की लागत से चार नए पंप हाउसों के निर्माण कार्य का शुभारंभ कर दिया है। परियोजना के पूरा होने के बाद नगर के घोड़हवा, बरगदवा, कृष्णा नगर, हर्रेडीह सहित अन्य प्रभावित वार्डों में जलापूर्ति व्यवस्था को नई मजबूती मिलेगी और अंतिम छोर पर बसे घरों तक भी नियमित रूप से पेयजल पहुंच सकेगा। नगर पंचायत अध्यक्ष शिवनाथ मद्धेशिया की पहल पर शुरू की गई इस महत्वाकांक्षी योजना का उद्देश्य बढ़ती आबादी की जरूरतों के अनुरूप पेयजल आपूर्ति नेटवर्क को मजबूत करना तथा लंबे समय से चली आ रही जल संकट की समस्या का स्थायी समाधान करना है। प्रशासन का दावा है कि चारों पंप हाउसों के निर्माण के बाद जल वितरण प्रणाली अधिक प्रभावी होगी और सभी वार्डों में समान रूप से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी। नगर पंचायत अध्यक्ष शिवनाथ मद्धेशिया ने कहा कि नगरवासियों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बताया कि कोई भी परिवार पेयजल जैसी आवश्यक सुविधा से वंचित न रहे, इसके लिए योजनाबद्ध तरीके से लगातार कार्य किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ÷हमारा लक्ष्य नगर के प्रत्येक वार्ड और अंतिम घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाना है। चार नए पंप हाउसों का निर्माण इसी उद्देश्य को ध्यान में रखकर कराया जा रहा है। इसके पूरा होने के बाद नगर की जलापूर्ति व्यवस्था अधिक सुदृढ़, व्यवस्थित और प्रभावी बनेगी।

वार्डों में लगेंगे निःशुल्क आरओ वाटर एटीएम

नगर पंचायत प्रशासन द्वारा नगरवासियों को शीतल एवं स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के लिए विभिन्न वार्डों में निःशुल्क आरओ वाटर एटीएम स्थापित किए जाने की भी योजना है। इससे लोगों को अपने घरों के नजदीक ही गुणवत्तापूर्ण पेयजल आसानी से उपलब्ध हो सकेगा और शुद्ध पानी के लिए अतिरिक्त खर्च भी नहीं करना पड़ेगा।

स्थानीय नागरिकों में खुशी की लहर

नगर पंचायत की इस पहल को लेकर स्थानीय लोगों में उत्साह और खुशी का माहौल है। नागरिकों का कहना है कि परियोजना पूरी होने के बाद वर्षों से चली आ रही पेयजल समस्या काफी हद तक समाप्त हो जाएगी। लोगों ने इसे नगर के विकास, जनसुविधाओं के विस्तार और बेहतर जीवन स्तर की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया है।

मामूली विवाद व गाली-गलौज में गौशाला मजदूर की हत्या

बरसठी/सिरकोनी, जौनपुर।

4 बेटियों व 1 बेटे के सिर से उठा पिता का साया

जलालपुर थाना क्षेत्र के सुरुहुरपुर गांव स्थित गौशाला में चौकीदार की निर्मम हत्या से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। वारदात की खबर मिलते ही ग्रामीणों की भारी भीड़ मौके पर जुट गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और मामले की गहन जांच शुरू कर दी है। मृतक की पहचान चक बहादुर सरोज उर्फ भुवर के रूप में हुई है जो बरसठी थाना क्षेत्र के निगोह अचानक नगर गांव का निवासी था।

चक बहादुर 53 वर्ष पुत्र स्व. रामकरन सरोज गौशाला में चौकीदार के रूप में कार्यरत था। बताया गया कि यह खूनी वारदात शनिवार की रात का है। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुये अभिषेक राव उर्फ सनी पुत्र अर्जुन निवासी ग्राम लखौवा थाना बक्सा को हिरासत में ले लिया है। उससे पूछताछ करके घटना के सभी पहलुओं की जांच कर रही है। वहीं दूसरी ओर इस हृदयविदारक घटना से मृतक के परिवार पर दुःखों का पहाड़ टूट पड़ा है। भुवर सरोज अपने पीछे 4 बेटियां और 1 बेटा छोड़ गये हैं। परिवार में कोहराम मचा हुआ है जबकि क्षेत्र में शोक और आक्रोश का माहौल है। सिरकोनी संवाददाता के अनुसार मजदूर चक बहादुर की गौशाला के पास शनिवार की रात को हत्या कर दी गयी। लोहे के रॉड से सिर पर मारकर बेरहमी से घटना को अंजाम दिया गया। घटना की जानकारी रविवार की सुबह हड़कम्प मच गया। घटना की सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंच गयी जिन्होंने घटना के आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया।

चर्चाओं की मानें तो गांव के एक व्यक्ति के घर पर बकरी पालने व चराने की मजदूरी करने वाले शनि निवासी लखौवां उदपुर थाना बक्शा से किसी बात को लेकर झगड़ा व गाली गलौज हुआ था।रविवार की सुबह चक बहादुर की लाश गोशाला के गेट के पास सिर व मुंह कूची मिली।उसका मुह लोहे के रॉड से कूचा हुआ था। घटना की जानकारी होते ही गांव में हड़कंप मच गया। ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गयी। सूचना पाकर थानाध्यक्ष जलालपुर प्रशांत सिंह मयफोर्स मौके पर पहुंच गये जिन्होंने आरोपी शनि को गिरफ्तार कर लिया। साथ ही घटना के सम्बन्ध में बताया कि दोनों के बीच शनिवार की रात को झगड़ा व गाली गलौज हुआ था।

क्या था पूरा मामला, हत्या की मिली थी धमकी

मृतक के बेटे दीपक ने बताया कि मेरे पिता चक बहादुर सरोज सुरुहुरपुर में स्थित गौशाला में 4–5 माह पहले से गौवंशों को चारा–पानी देने का काम करते थे। 5 दिन पहले मैं अपने पिता से मिलने गौशाला आया था। पिता ने मुझसे कहा कि अभिषेक राव उर्फ शनी पुत्र अर्जुन निवासी लखौवा थाना बक्सा नामक एक लड़का है जो नाटे पहलवान यादव सुरुहुपुर के यहाँ बकरी पालन में काम करता है। बकरियों को चराता है तथा बगल की एक लड़की है जो भी बकरियों को चराती है, से बातचीत करता था जो आपत्तिजनक श्रेणी में आता है। मेरे पिता द्वारा मना करने पर उनको गाली गलौज देता था। इतना ही नहीं, कहता था तुम सुधर जाओ, नहीं तो तुम्हारी हत्या किसी दिन कर दूंगा। पिता ने आरोपी की पहचान भी करायी थी। 13 जून को अभिषेक राव ने मेरे पिता की किसी चीज से सिर कूंचकर हत्या कर दिया जिसका शव गौशाला के बाहर चारपाई पर पड़ा था।

मुंबई की ट्रेन छिनने से मायूस हुआ भटनी

फिर से 20104 ट्रेन संचालन की उठी मांग

भटनी देवरिया।

रेल सेवा से लौटी थी बाजार की रौनक, ट्रेन हटने से व्यापार और रोजगार पर पड़ा असर

एक समय भटनी क्षेत्र के लोगों के लिए मुंबई तक रेल यात्रा आसान बनाने वाली 20104 ट्रेन के भटनी से संचालन ने पूरे इलाके में नई उम्मीद जगाई थी। लंबे समय से सीधी रेल सुविधा के अभाव से जूझ रहे यात्रियों को राहत मिली थी और सामान्य श्रेणी में यात्रा करने वाले हजारों लोगों को सुविधा प्राप्त हुई थी। स्थानीय लोगों के अनुसार ट्रेन के भटनी से चलने के बाद आसपास के क्षेत्रों सहित बिहार सीमा से भी बड़ी संख्या में यात्री यहां पहुंचने लगे थे। इससे भटनी बाजार में व्यापारिक गतिविधियां बढ़ीं और रोजगार के नए अवसर भी पैदा हुए। जो बाजार पहले धीमी आर्थिक गतिविधियों से प्रभावित था, उसमें फिर से रौनक लौटने लगी थी। लेकिन अब ट्रेन के गोरखपुर से संचालित होने की स्थिति ने क्षेत्रवासियों को निराश कर दिया है। लोगों का कहना है कि इससे यात्रियों की परेशानी बढ़ी है और स्थानीय व्यापार पर भी असर पड़ा है। क्षेत्र की जनता ने जनप्रतिनिधियों एवं रेलवे प्रशासन से मांग की है कि ट्रेन संख्या 20104 का संचालन पुनः भटनी से कराया जाए, जिससे यात्रियों को सुविधा मिलने के साथ क्षेत्र के व्यापार और रोजगार को भी नई गति मिल सके। लोगों ने उम्मीद जताई कि जनहित को देखते हुए इस मांग पर सकारात्मक निर्णय लिया जाएगा।

मेडिकल कॉलेज में सुबह 8:30 बजे पहुंचे सीएमएस, काउंटर से वार्ड तक जांची व्यवस्था

देवरिया।

महर्षि देवरहा बाबा स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय से संबद्ध जिला अस्पताल की आपातकालीन और सामान्य चिकित्सा सेवाओं को पूरी तरह समयबद्ध और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रबंधन ने कड़ा रुख अपना लिया है।

कलेक्ट्रेट और जिला प्रशासन द्वारा हाल ही में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर जताई गई चिंताओं के अनुक्रम में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) डॉ. एच.के. मिश्र ने रविवार की सुबह लगभग 8:30 बजे अचानक पूरे चिकित्सा परिसर का औचक निरीक्षण किया। सुबह-सुबह हुए इस प्रशासनिक मूवमेंट से

अस्पताल के विभिन्न काउंटरों, ओपीडी और वार्डों में तैनात स्टाफ और चिकित्सकों में हड़कंप मच गया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने सबसे पहले इमरजेंसी वार्ड और मरीज पंजीकरण काउंटर की विधिक स्थिति देखी, जहां उन्होंने सुबह के समय पर्चा काटने और मरीजों को तत्काल अटेंड करने की व्यवस्था को परखा। इसके बाद वह ओपीडी, विभिन्न सामान्य वार्डों, दवा वितरण काउंटर तथा मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य विंग पहुंचे। डॉ. मिश्र ने वार्डों में भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों से बेड पर जाकर सीधा संवाद किया और अस्पताल से मिलने वाली निशुल्क दवाओं, डॉक्टरों के राउंड तथा उपचार की गुणवत्ता के संबंध में वास्तविक फीडबैक लिया। उन्होंने मौके पर ही कुछ व्यवस्थाओं को और चुस्त-दुरुस्त करने के निर्देश संबंधित पटल प्रभारियों को दिए। समीक्षा के दौरान सीएमएस ने डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ को कड़े विधिक लहजे में निर्देशित किया कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी कर्मचारी निर्धारित रोस्टर के अनुसार समय से अपनी ड्यूटी पर उपस्थित रहें। उन्होंने सभी चिकित्सा अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए अनिवार्य ड्रेस कोड का पालन करने की हिदायत देते हुए स्पष्ट किया कि राजकीय दायित्वों के निर्वहन में किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही अक्षम्य होगी। उन्होंने चिकित्सा कर्मियों को आगाह किया कि अस्पताल में आने वाले ग्रामीण व दूर-दराज के मरीजों और उनके परिजनों के साथ पूरी शालीनता और संवेदनशीलता का व्यवहार किया जाए, ताकि किसी को भी उपचार मिलने में असुविधा न हो।

रेलवे की कार्रवाई - कॉलेज का उत्तरी गेट कराया बंद

भटनी देवरिया। रेलवे प्रशासन ने भटनी जंक्शन क्षेत्र में रेलवे भूमि पर किए गए अवैध कब्जों के विरुद्ध अभियान चलाते हुए कार्रवाई की। यह अभियान रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) भटनी एवं पूर्वोत्तर रेलवे के सीनियर सेक्शन इंजीनियर (कार्य) के नेतृत्व में चलाया गया। कार्रवाई के दौरान रेलवे भूमि से सटे अतिक्रमण वाले क्षेत्रों का निरीक्षण किया गया तथा रेलवे भूमि के सामने स्थित बहादुर यादव पीजी कॉलेज के उत्तरी गेट को बंद करा दिया गया। रेलवे प्रशासन की इस कार्रवाई से क्षेत्र में चर्चा का माहौल बना रहा।

महेन्द्रनाथ मंदिर परिसर में मारपीट पर पुलिस सख्त, दोनों पक्षों पर मुकदमा दर्ज, 11 गिरफ्तार

देवरिया। आस्था के केंद्र बाबा महेन्द्रनाथ मंदिर परिसर (ग्राम महेन) में शनिवार को दो पक्षों के बीच हुए आपसी विवाद और हिंसक मारपीट के मामले में मदनपुर थाना पुलिस ने त्वरित विधिक कार्रवाई की है। कानून-व्यवस्था और सामाजिक सौहार्द को प्रभावित करने वाले इस घटनाक्रम को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर क्रॉस मुकदमा दर्ज किया है। इस मामले में संलिप्तता और परिसर की शांति भंग करने के आरोप में पुलिस टीम ने दोनों पक्षों के छह नामजद अभियुक्तों सहित कुल 11 व्यक्तियों को गिरफ्तार कर न्यायालय चालान भेजा है। प्राप्त विवरण के अनुसार, शनिवार को मंदिर परिसर में किसी बात को लेकर दो पक्षों के लोग आपस में भिड़ गए थे, जिससे वहां अफरा-तफरी मच गई थी। मदनपुर

पुलिस ने दोनों तरफ से प्राप्त शिकायतों के आधार पर स्थानीय थाने में मुकदमा अपराध संख्या 055/2026 और 057/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की सुसंगत धाराओं में मामले पंजीकृत किए। इस विधिक कार्रवाई के क्रम में पुलिस ने एक पक्ष से वशिष्ठ भारती, मारकण्डेय भारती, जनार्दन गोस्वामी, समीर गोस्वामी, आकाश गोस्वामी और विशाल गोस्वामी को गिरफ्तार किया है।

इन सभी के खिलाफ भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धारा 170, 126 और 135 के तहत निरोधात्मक कार्रवाई की जा रही है। इसके अतिरिक्त, पुलिस ने मौके पर मौजूद और जांच के दौरान शांति व्यवस्था के लिए चुनौती बन रहे पांच अन्य युवकों को भी दबोचा है। इनमें भदिला प्रथम गांव के निवासी रवेश यादव, पवन यादव, संजय यादव, राहुल यादव और जमिरा गांव के सत्यम तिवारी शामिल हैं। इन पांचों का भी पुलिस ने बीएनएसएस की धाराओं के तहत चालान कर दिया है। थाना मदनपुर प्रभारी ने स्पष्ट किया है कि धार्मिक और सार्वजनिक स्थलों पर कानून हाथ में लेने या अराजकता फैलाने वाले किसी भी तत्व को बख्शा नहीं जाएगा। क्षेत्र में पूर्ण शांति बनाए रखने के लिए पुलिस बल पूरी तरह मुस्तैद है।